RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 181 , गुरुवार, 13 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

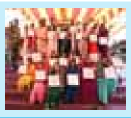
30 दिवसीय निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण का समापन, महिलाओं को मिले आत्मनिर्भरता के ... 03

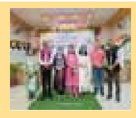
बीरगंज में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने पर विशेष कार्यक्रम 04

मृणाल ठाकुर का बॉस लेडी अवतार ओवरसाइज्ड पैंटसूट और स्नीकर्स... 07

संक्षिप्त समाचार

रांची पहुंचते ही 360 डिग्री घूम गया छात्र आंदोलन

अब निशाने पर आ गए राहुल,संसद से सड़क तक संग्राम

रांची (एजेंसी)। दिल्ली से रांची पहुंचते-पहुंचते छात्र आंदोलन का रुख 360 डिग्री घूम गया है। जहां दिल्ली में छात्रों पर लाठीचार्ज के मुद्दे पर कांग्रेस, केंद्र सरकार पर हमलावर थी, वहीं झारखंड में छात्र आंदोलन पर हुए लाठीचार्ज के बाद अब भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मोर्चा संभाल लिया है। इस सियासी बदलाव के साथ ही संसद से लेकर सड़क तक संग्राम छिड़

गया है और अब निशाने पर राहुल गांधी आ गए हैं। दिल्ली में जो कांग्रेस छात्रों के हक की बात कर रही थी, रांची पहुंचते ही वही मुद्दे राजनीति के दूसरे छोर पर खड़े दिख रहे हैं, जहां बीजेपी सक्रिय होकर आंदोलन के समर्थन में उतर आई है।

छात्रों का इस्तेमाल कर रहे राहुल गांधी : संसद में केंद्र और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर अपने एजेंडे को बढ़ावा देने के लिए छात्रों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। साथ ही, पार्टी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छात्रों के आंदोलन पर विस्तृत चर्चा के दौरान जवाब देने के लिए पहले ही तैयार हैं।

शराबबंदी पर लगा प्रतिबंध हटाएगी सम्राट सरकार!

बिहार में नई रिपोर्ट से शुरू हुई बहस, राजद का दावा-बिना सर्वे के हुआ लागू

पटना (एजेंसी)। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के करीब एक दशक बाद एक शोध रिपोर्ट ने इस नीति को लेकर नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। देश के प्रमुख आर्थिक शोध संस्थानों में शामिल नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर)

की एक स्टडी में बिहार में पूर्ण शराबबंदी खत्म कर नियंत्रित तरीके से शराब की बिक्री शुरू करने और आबकारी कर व्यवस्था बहाल करने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा होने पर राज्य के अपने राजस्व में करीब 14 से 15 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। रिपोर्ट में शराबबंदी के बाद अवैध शराब की तस्करी, दूसरे नशीले पदार्थों के इस्तेमाल और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों का भी उल्लेख किया गया है। इसके बाद बीजेपी सरकार पर सवाल उठने लगे हैं।

ट्रम्प ने माना-ईरान के डर से बदलना पड़ा है प्लेन

हमला होता तो एयरफोर्स वन पर होता, ट्रक में छिपकर दूसरे विमान तक पहुंचे

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मान लिया है कि उन्होंने पिछले महीने तुर्किये में ईरान के डर से प्लेन बदला था। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे जिस प्लेन से समिट में हिस्सा लेने गए थे उस पर हमले का सबसे ज्यादा खतरा था। ट्रम्प ने यह भी बताया कि उन्हें सुरक्षा कारणों से एयरपोर्ट के केटरिंग ट्रक में बैठाकर दूसरे विमान तक ले जाया गया। ट्रम्प ने कहा- अगर कोई हमला होता तो उसी प्लेन को निशाना बनाया जाता। मैं वही करता हूं, जो सुरक्षा एजेंसियां कहती हैं। मुझे लगातार धमकियां मिलती रहती हैं। इससे पहले वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया था कि 8 जुलाई को अंकारा से रवाना होते समय ट्रम्प कैमरों के सामने बोइंग 747-8 एयर फोर्स वन में सवार हुए थे।

- **मीडिया को भी नहीं पता था कि ट्रम्प दूसरे विमान में हैं-** अमेरिकी राष्ट्रपति जब भी किसी दौरे पर जाते हैं, तो उनके साथ कुछ पत्रकार भी यात्रा करते हैं। सुरक्षा कारणों से हर जानकारी सार्वजनिक नहीं की जाती, लेकिन इन पत्रकारों को इतना जरूर पता होता है कि राष्ट्रपति किस विमान में हैं और कहां जा रहे हैं। पत्रकारों को लगा कि ट्रम्प भी उसी पुराने एयर फोर्स वन में हैं।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने आज 12 अगस्त को इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 18 अगस्त को होने वाली टाटा संस की एजीएम से ठीक पहले आया है। हालांकि, वे फरवरी 2027 तक पद पर बने रहेंगे। चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के साथ सहमति नहीं बन पाई थी। नए कारोबारों में भारी निवेश, उनके प्रदर्शन और टाटा संस के भविष्य को लेकर मतभेद इस फैसले की बड़ी वजह बने। एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे की खबर के बाद टाटा ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों के शेयरों में गिरावट है। टीसीएस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाटा कंज्यूमर के शेयर 3 फीसदी तक नीचे हैं। चंद्रशेखरन ने कहा कि, टाटा संस के चेयरमैन के रूप में मेरा मौजूदा कार्यकाल 20 फरवरी 2027 को खत्म हो रहा है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करके मेरे अगले 5 साल के कार्यकाल के विस्तार की सिफारिश की थी। इसे टाटा संस की नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमेटी और बोर्ड ने दर्ज किया था और आगे बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसके बाद, यह प्रस्ताव 24 फरवरी 2026 को टाटा संस बोर्ड के सामने रखा गया था। हालांकि, यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ सका क्योंकि बोर्ड के एक सदस्य ने समर्थन नहीं किया।

अगले साल फरवरी 2027 तक जिम्मेदारी संभालते रहेंगे

दूध की जगह वनस्पति से बना पनीर एमपी में बैन

- सीएम ने जारी किया आदेश,महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ पहले लगा चुके प्रतिबंध

भोपाल (एजेंसी)। महाराष्ट्र, गुजरात और छत्तीसगढ़ के बाद अब मध्य प्रदेश में भी एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात रवाना होने से पहले खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की बैठक में इसके उत्पादन, बिक्री और इस्तेमाल पर रोक लगाने के आदेश दिए। बता दें कि

एनालॉग पनीर को असली दूध से बने पनीर के विकल्प के तौर पर तैयार किया जाता है। इसमें दूध की जगह या दूध के साथ वनस्पति वसा, स्टार्च और अन्य सामग्री का इस्तेमाल किया जाता है। इसकी कम कीमत के कारण बाजार में इसकी खपत बढ़ी है।

रोज 300 से 400 क्विंटल की खपत का अनुमान

मध्य प्रदेश में एनालॉग पनीर की रोजाना आवक और बिक्री करीब 300 से 400 क्विंटल होने का अनुमान है। इस हिसाब से प्रदेश में हर महीने करीब 9 हजार से 12 हजार क्विंटल, यानी 900 से 1200 टन एनालॉग पनीर खपने की बात सामने आई है। बड़ी मात्रा में इसकी बिक्री को देखते हुए सरकार ने अब इस पर सख्ती का निर्णय लिया है।

'रील युग' में रह रहे युवा 'शॉर्टकट' से दूर रहें

- पीएम मोदी ने जेन जी को दे दिया बड़ा खास मैसेज
- पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा का किया विमोचन

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं से आत्मकथाएं पढ़ने और दूसरों के संघर्षों से सीखने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'रील के युग' में रह रहे युवाओं को याद रखना चाहिए कि शॉर्टकट आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा 'ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स' के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कोविंद का जीवन दिखाता है कि दृढ़ संकल्प किसी व्यक्ति को मुश्किलों से उबरने और सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने में कैसे मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति पद छोड़ने के बाद भी कोविंद के

लगातार सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहने का जिक्र करते हुए कहा कि पद छोड़ने के बाद भी उन्होंने आराम नहीं किया। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद एक राष्ट्र, एक चुनाव पहल पर काम कर रहे हैं, जो भारतीय लोकतंत्र में एक नया अध्याय खोल सकती है।

प्रधानमंत्री का मैसेज- शॉर्टकट विल कट यू शॉर्ट

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज रील का जमाना है, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर आपको कहीं न कहीं खींच ले जाते हैं लेकिन इस दौर में भी, रेलवे स्टेशन पर लिखी बात याद रखें। 'शॉर्ट कट' आपको नुकसान पहुंचा सकता है। पीएम मोदी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब सरकार और सत्तारूढ़ बीजेपी ने सोशल मीडिया पर 'जेन जी' से जुड़ने की कोशिशें तेज कर दी हैं। नीट पेपर लीक होने के खिलाफ पिछले महीने हुए विरोध-प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री ने अपने मंत्रियों से कहा था कि वे युवाओं से जुड़ने के लिए इंस्टाग्राम का सक्रिय रूप से इस्तेमाल करें और रील 'पोस्ट' करें। हाल के हफ्तों में पीएम मोदी ने स्वयं युवाओं को संबोधित करते हुए कई बार रील साझा की हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं को बड़ा संदेश दिया है।

कोविंद के जीवन और संघर्ष का किया जिक्र

पीएम मोदी ने कहा कि आत्मकथा का शीर्षक बिल्कुल सही है क्योंकि रामनाथ कोविंद का जीवन और संघर्ष भले ही व्यक्तिगत थे, लेकिन उन संघर्षों की जीत भारतीय लोकतंत्र की है। उन्होंने याद किया कि बचपन में घर का सामान बचाने की कोशिश के दौरान लगी आग में कोविंद ने अपनी मां को खो दिया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुखद घटना कोविंद को तोड़ सकती थी लेकिन इसके बजाय इसने उन्हें और मजबूत बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि कोविंद में अच्छे संस्कार डालने में उनके पिता की अहम भूमिका रही। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति भवन में कोविंद के साथ अपनी मुलाकातों को याद किया।

भारी बारिश से पानी-पानी हुए एमपी और राजस्थान

- कई जगह बाढ़ जैसे हालात, काशी में 100 मंदिर डूबे
- नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट में पानी भरा,हालात बद्तर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के मध्य और पूर्वी हिस्से में मानसून ऐक्टिव है। मध्यप्रदेश, राजस्थान के कई इलाकों में लगातार तीसरे दिन भारी बारिश से हालात खराब हैं। इसकी वजह तीन मानसूनी सिस्टम हैं। इनके कारण अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से बड़ी मात्रा में नमी आ रही है। भोपाल में बुधवार को लगातार तीसरे

दिन स्कूलों में छुट्टी है। यहां दो दिनों में 8.57 इंच बारिश हुई। करीब 200 मकानों में ढाई फीट तक पानी भर गया। रतलाम, झाबुआ, धार, बड़वानी और इंदौर में अगले 24 घंटे में यहां 4 इंच से ज्यादा बारिश का अनुमान है। उधर, राजस्थान में खोखी बांध की दीवार टूटने से 300 बीघा फसल खराब हो गई है।

- **यूपी में उफनाती नदी में स्कॉर्पियो सवार 6 लोग बहे-** पहाड़ों पर हो रही जोरदार बारिश से यूपी में गंगा, यमुना और शारदा समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सहारनपुर में शाहपुर गाड़ा नदी पर बना पुल डूब गया। मंगलवार शाम को पुल पर स्कॉर्पियो कार फंस गई। स्कॉर्पियो सवार 6 लोग कार सहित बहने लगे। किसी तरह कार से कूदकर लोगों अपनी जान बचाई। बाद में आसपास के लोगों ने ट्रैक्टर से कार बाहर निकाली। वाराणसी में घाटों की सीढ़ियों तक पानी पहुंच गया है। सभी 84 घाटों को आपस में जोड़ने वाले रास्ते जलमग्न हो गए हैं। 100 से ज्यादा छोटे मंदिर डूब गए हैं।

पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने बलूचिस्तान ढाया कहर

अंधाधुंध बमबारी,20 लोगों की मौत,सैकड़ों हुए बेघर

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में एक बार फिर हवाई हमले किए हैं। बलूच मीडिया ने बुधवार को अपनी रिपोर्ट में बताया है कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने सोराब के गिदार इलाके के गोंधन में कई जगहों पर अंधाधुंध बमबारी की है। इसमें कम से कम 20 आम नागरिक मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

बमबारी की वजह से दर्जनों घर हमले में तब्दील हो गए हैं। पाकिस्तानी एयर फोर्स ने ऐसे समय में बलूचिस्तान में बमबारी की है, जब प्रांत में पाक आर्मी और सरकार को लेकर गुस्सा चरम पर है। द

बलूचिस्तान पोस्ट ने बताया है कि मंगलवार देर रात से बुधवार तड़के तक पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने प्रांत के कई हिस्सों में बम गिराए हैं। पाकिस्तानी आर्मी अक्सर इन हमलों को ऑपरेशन कहता है।

बीएलए के पाकिस्तानी सैनिकों पर हमले

बलूचिस्तान में सक्रिय अलगाववादी सशस्त्र गुट बलूच लिबरेशन आर्मी ने बड़े पैमाने पर पाकिस्तानी सेना पर हमलों की जिम्मेदारी ली है। गुट ने 1 अगस्त से 8 अगस्त के बीच बलूचिस्तान में 38 ऑपरेशन की जिम्मेदारी ली है। इन ऑपरेशन में 32 पाकिस्तानी सैनिक और ऑपरेटिव मारे गए और कई वाहन नष्ट हुए। बीएलए प्रवक्ता जियांद बलूच ने 11 अगस्त को मीडिया में बयान जारी किया है।

आईएसआई से जुड़ा पाकिस्तानी जासूस बांग्लादेश बॉर्डर से गिरफ्तार

- फर्जी दस्तावेजों पर भारत में रह रहा था,कोलकाता के कारपेंटर ने की थी मदद

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने बुधवार को भारत-बांग्लादेश बॉर्डर से संदिग्ध पाकिस्तानी आतंकी को गिरफ्तार किया। उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस से संबंध हैं। वह जासूसी और आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार आतंकी की पहचान राना रऊफ के रूप में हुई है। भारत में वहाब आलम के नाम से रह रहा था। बांग्लादेश भागने की कोशिश में था। उसे 24 परगना जिले के बनगांव से गिरफ्तार किया गया। सूत्रों के अनुसार, रऊफ मूल रूप से पाकिस्तान के फैसलाबाद का रहने वाला है। वह 2012 में नेपाल के रास्ते भारत आया था। इसके बाद से पश्चिम बंगाल में रहने लगा। शुरुआती जांच में उसके वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी पाकिस्तान भेजने की बात सामने आई है।

एफसीआरए बिल जेपीसी भेजने का प्रस्ताव लोकसभा में पास

- अखिलेश यादव बोले-पूरा विपक्ष खिलाफ, रिजिजू ने दी दलील

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफसीआरए संशोधन विधेयक पर घमासान के बीच सरकार ने अहम फैसला लिया है। सरकार इस बिल को संसद की 31 सदस्यीय ज्वाइंट पर्लियामेंट्री कमिटी के पास भेजने का प्रस्ताव किया है। एफसीआरए संशोधन विधेयक पर संसद की संयुक्त समिति में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल होंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय बिल को जेपीसी में भेजने संबंधी प्रस्ताव

सदन में पेश किया, जो हंगामे के बीच पास भी हो गया। अब ये कमिटी अपनी रिपोर्ट विंटर सेशन में सदन में रखेगी।

- **एफसीआरए बिल पर जमकर हंगामा-** लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री नित्यानंद राय ने जैसे ही एफसीआरए बिल पेश किया तो सदन में हंगामा बढ़ गया। कांग्रेस ने एक सुर में इस बिल को वापस लेने की मांग उठाई। वहीं सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि पूरा विपक्ष इस बिल के खिलाफ है। यह बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ है। इस बिल को सदन में पेश नहीं किया जाना चाहिए। इस पर किरेन रिजिजू ने तर्क किया कि विधेयक अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं है। हालांकि, विपक्ष का हंगामा जारी रहा, जिसकी वजह से सदन की कार्यवाही 3 बजे तक स्थगित कर दी गई।

विपक्ष ने बिल का किया विरोध, जेपीसी में भेजा गया प्रस्ताव

विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए)को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का सरकार विपक्षी सांसदों ने समर्थन किया है। कांग्रेस सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने एफसीआरए बिल को जेपीसी में भेजने की मांग का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष अपनी रणनीति के तहत आगे भी अपने मुद्दे उठाता रहेगा। सपा सांसद अखिलेश यादव ने एफसीआरए संशोधन बिल पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि वह इसे क्यों लाना चाहती है। इसका उद्देश्य अल्पसंख्यकों को दबाना और अपने फायदे के लिए व्यवस्था का इस्तेमाल करना है। अखिलेश यादव ने कहा कि देश में लोकतंत्र मजबूत होना चाहिए और लोगों के लिए कल्याणकारी योजनाएं लागू की जानी चाहिए। एफसीआरए बिल पर सरकार की नीतियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने बुनियादी ढांचे को लेकर भी सवाल उठाए। सरकार एयरपोर्ट बना रही है लेकिन उनमें पानी भर जाता है और एक्सप्रेसवे बनाए जा रहे हैं, जिनमें गड्ढे हो रहे हैं। उन्होंने सरकार के काम पर तंज कसते हुए कहा कि हवाई जहाज उड़ाने वालों और राज्य चलाने वालों के बीच उन्हें समानताएं नजर आ रही हैं। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने भी एफसीआरए विधेयक को जेपीसी के पास भेजे जाने का समर्थन किया। यदि इसे जेपीसी में भेजा जा रहा है तो यह अच्छी बात है, क्योंकि विपक्ष पहले ही आशंका जता चुका है कि संस्थाओं और उनके जमीनी स्तर पर काम करने के तरीके को लेकर किस तरह हेरफेर हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों के लिए काम करने वाले एनजीओ और अन्य संस्थाओं पर भी सरकार के अनुरूप काम नहीं करने की स्थिति में दबाव बनाया जाता है। इससे पहले संसद के मानसून सत्र में एफसीआरए (विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम) संशोधन बिल को लेकर विपक्ष सांसदों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने भी एफसीआरए संशोधन बिल को लेकर सरकार की मंशा पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की नीयत ठीक नहीं है तो ऐसे बिल का क्या मतलब।

संक्षिप्त समाचार

वैशाली में नल-जल योजना के ऑपरेटरों को मानदेय नहीं मिला, हर महीने 2 हजार रुपये मिलना था

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले के पटेढ़ी बेलसर प्रखंड में नल जल योजना के ऑपरेटरों को कई वर्षों से मानदेय नहीं मिला है। ऑपरेटरों ने आरोप लगाया है कि पंचायत के वार्ड सदस्यों और प्रखंड के अधिकारियों की मिलीभगत से उनके मानदेय की राशि का गबन किया गया है। मानदेय मांगने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। ऑपरेटरों के अनुसार, उनका मानदेय पंचायत के वार्ड सदस्यों के खातों में आया था, लेकिन उन्हें इसका भुगतान नहीं किया गया। उनका दावा है कि यह राशि वार्ड सदस्यों और प्रखंड के पदाधिकारियों की मिलीभगत से निकाल ली गई है। ऑपरेटरों ने बताया कि नल जल योजना के संचालन के लिए उन्होंने अपनी कीमती जमीन सरकार से अनुबंधित की थी। इसके बदले सरकार ने भू-दाता परिवार के एक सदस्य को योजना में ऑपरेटर के रूप में रखने का वादा किया था, जिसके लिए 2000 रुपये मासिक मानदेय तय किया गया था। शुरुआती दौर में कुछ ऑपरेटरों को मानदेय का भुगतान किया गया था, लेकिन बाद में यह रोक दिया गया। ऑपरेटरों का कहना है कि मानदेय की राशि वार्ड सदस्यों के खातों में आने के बावजूद उन्हें नहीं मिली और बाद में उसकी निकासी भी हो गई। मानदेय न मिलने के कारण ऑपरेटर भुखमरी की कगार पर हैं। उन्होंने प्रखंड से लेकर जिला स्तर तक के अधिकारियों से शिकायत की है, लेकिन अब तक उन्हें कोई समाधान नहीं मिला है और न ही उनका बकाया मानदेय प्राप्त हुआ है।

वैशाली इंजीनियरिंग कॉलेज में 'साइबर स्मार्ट कार्यक्रम, छात्रों को साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताए

हाजीपुर। वैशाली के राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय में पुलिस प्रशासन द्वारा 'साइबर स्मार्ट मंगलवार' के तहत साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक, वैशाली के निर्देशन में और पुलिस उपाधीक्षक (स्पेशल क्राइम सह साइबर क्राइम) चांदनी सुमन के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के विभिन्न उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने ऑनलाइन बैंकिंग और UPI के सुरक्षित इस्तेमाल, सोशल मीडिया अकाउंट की सुरक्षा, फर्जी लिंक, OTP फ्रॉड और साइबर ठगी के नए तरीकों को लेकर विद्यार्थियों को सतर्क किया। छात्रों को विशेष रूप से बताया गया कि किसी अनजान व्यक्ति के साथ OTP, ATM/डेबिट कार्ड की जानकारी, PIN, पासवर्ड या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा नहीं करनी चाहिए। उन्हें किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने से भी बचने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने यह भी जानकारी दी कि साइबर अपराध का शिकार होने की स्थिति में तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने संबंधित साइबर अपराध की सूचना देने की पूरी प्रक्रिया भी समझाई। इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और साइबर सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवाल अधिकारियों के सामने रखे। अधिकारियों ने सभी सवालों के जवाब दिए और डिजिटल दुनिया में सतर्कता को सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय बताया। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि वे सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और साइबर अपराध से बचाव के लिए दूसरों को भी जागरूक करें।

85 ग्राम हेरोइन-स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार, पुलिस ने 96,730 रुपए कैश और मोबाइल फोन भी बरामद किया

हाजीपुर। वैशाली जिले के बिदुपुर में पुलिस ने एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 85 ग्राम हेरोइन/स्मैक, 96,730 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है। यह कार्रवाई अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नीलकंठ' के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, 10 अगस्त 2026 को बिहार एसटीएफ, पटना से बिदुपुर थाना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी। इसमें बताया गया था कि बिदुपुर डीह निवासी संजीत कुमार (पिता विजय शंकर राय) ने अपने घर में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखा है। सूचना के सत्यापन के बाद वैशाली पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में बिदुपुर थाना पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई। गठित टीम ने सूचना के आधार पर संजीत कुमार के बिदुपुर डीह स्थित ठिकाने पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान पुलिस ने 85 ग्राम हेरोइन/स्मैक, 96,730 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन जब्त किया। इसी दौरान संजीत कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि जिले में मादक पदार्थों के सेवन, बिक्री और तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में बिदुपुर थाना में कांड संख्या 395/26 दर्ज किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त संजीत कुमार को न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस अब बरामद मादक पदार्थ और नकद राशि के स्रोत के साथ-साथ तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटा रही है।

बिदुपुर-कच्ची दरगाह सिक्स लेन पुल पर टोल गेट निर्माण

हाजीपुर। वैशाली में बिदुपुर-कच्ची दरगाह सिक्स लेन पुल पर टोल गेट का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। मथुरा गांव के पास बन रहे इस टोल गेट के पूरा होने के बाद जल्द ही पुल के दोनों लेन पर वाहनों का परिचालन शुरू होने की उम्मीद है। पुल के निर्माण कार्य को अंतिम रूप देने में तेजी से काम किया जा रहा है। इस सिक्स लेन पुल के चालू होने से उत्तर बिहार के कई इलाकों जैसे

बिदुपुर, देसरी, जंदाहा, महनार, महुआ और पातेपुर के लोगों के लिए पटना आना-जाना काफी आसान हो जाएगा। इससे पटना और पटना सिटी के विभिन्न इलाकों तक पहुंचने में लगने वाले समय में भी काफी बचत होगी। कच्ची दरगाह से बिदुपुर को जोड़ने वाला यह सिक्स लेन पुल उत्तर बिहार और पटना के बीच आवागमन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुल के दोनों तरफ संपर्क मार्गों को जोड़ने का कार्य भी तेजी से पूरा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, बिदुपुर से आगे महुआ, ताजपुर, समस्तीपुर और दरभंगा की ओर सड़क निर्माण का काम भी युद्धस्तर पर जारी है। पुल का मुख्य निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है और अब इसके उद्घाटन का इंतजार है। पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों पुल के उद्घाटन की तैयारियां की गई थीं। इसके लिए कार्यक्रम स्थल पर टेंट सहित अन्य व्यवस्थाएं भी की गई थीं, लेकिन बाद में सभी तैयारियां हटा ली गईं और कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। अब लोगों की नजर पुल के औपचारिक उद्घाटन और पूर्ण रूप से यातायात शुरू होने पर टिकी है। पुल के चालू होते ही उत्तर बिहार के निवासियों को पटना पहुंचने के लिए एक महत्वपूर्ण और सीधा मार्ग उपलब्ध हो जाएगा।

10 परीक्षाओं में असफलता के बाद बने असिस्टेंट कमांडेंट

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में बैरिया बस स्टैंड पर पिता की छोटी सी चाय-नाश्ते की दुकान है। मां गृहिणी हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी, लेकिन बेटे के सपने बड़े थे। घर के महज 8×8 फीट के कमरे में एक तरफ बिस्तर और दूसरी तरफ स्टडी टेबल लगाकर पढ़ाई करने वाले घनश्याम जायसवाल ने आखिरकार अपनी मेहनत से बड़ा मुकाम हासिल किया। UPSC परीक्षा में सफलता हासिल कर उनका चयन असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर हुआ है। घनश्याम की सफलता की कहानी इसलिए खास है, क्योंकि यह पहला मौका नहीं था जब उन्होंने किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के लिए प्रयास किया। पिछले करीब 5-6 वर्षों में उन्होंने लगभग 10 सरकारी प्रतियोगी परीक्षाएं दीं, लेकिन हर बार असफलता हाथ लगी। किसी परीक्षा में करीब 10 नंबर से चूक गए तो BPSC 70वीं का रिजल्ट महज 2 नंबर से रह गया। लगातार असफलताओं के बावजूद उन्होंने तैयारी नहीं छोड़ी। घनश्याम की शुरुआती पढ़ाई मुजफ्फरपुर के बैरिया स्थित नथनी भगत विद्यालय से हुई। इसके बाद रामेश्वर सिंह कॉलेज से विज्ञान विषय में 12वीं की पढ़ाई पूरी की। बचपन से ही उनका सपना IIT जाकर इंजीनियर बनने का था। उन्होंने IIT-JEE की परीक्षा भी दी, लेकिन सफलता नहीं मिली और आगे किसी कॉलेज में दाखिला नहीं मिल सका। इसके बाद उन्होंने इंजीनियर बनने का सपना छोड़ दिया और सिविल सेवा की तैयारी शुरू कर दी।

पटना में बीच सड़क प्रॉपर्टी डीलर को मारी 4 गोली

एजेंसी, पटना

पटना में एक बार फिर से बदमाशों ने खुलेआम पुलिस को चुनौती दी है। इधर पटना के एसएसपी कार्तिकेश शर्मा मंगलवार की शाम क्राइम मीटिंग ले रहे थे, उधर अपराधियों ने एक प्रॉपर्टी डीलर के सीने में 4 गोलियां उतार दीं। युवक की पहचान शुभम कुमार यादव के रूप में हुई। उसे गंभीर हालत प्राइवेट अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गोली मारने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। घटना रामकृष्णा नगर थाना के भूपतिपुर ज्योतिष बाबा रोड की है।

बैक टू बैक मारीं 4 गोलियां: सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि शुभम सड़क किनारे फोन पर बात कर रहा है। तभी अपाचे बाइक पर दो बदमाश आते हैं। वो शुभम के करीब जाते हैं और उस पर ताबड़तोड़ 4 गोली फायर कर देते हैं। गोली लगने के बाद शुभम कराहता हुआ जमीन पर गिर जाता है। वारदात को अंजाम देकर दोनों अपराधी बाइक से फरार हो जाते हैं। शुभम सड़क पर गिर जाता है। गोली की आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर निकलते हैं। आसपास के लोग शुभम को गंभीर हालत में प्राइवेट अस्पताल में एडमिट करवाते हैं।

पटना में SSP की क्राइम मीटिंग के दौरान वारदात: हैरानी की बात यह है कि घटना मंगलवार

परिवार बोला-घर के बाहर खड़ा था शुभम

की देर रात हुई. उसी समय पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा क्राइम मीटिंग कर रहे थे. इस बैठक में सभी अनुमंडल अधिकारी और पटना जिले के थानेदार शामिल थे. एसएसपी अधिकारियों के साथ अपराध रोकने पर चर्चा कर रहे थे.

पटना सदर पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी-2 रंजन कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि शुभम कुमार को गोली मारी गई है और उसका इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के पीछे का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। हर एंगल से जांच की जा रही है।

एसआई मद्य निषेध प्रीलिम्स रिजल्ट जारी

एजेंसी, पटना

BPSSC ने मद्य निषेध, उत्पाद और निबंधन विभाग में अवर निरीक्षक मद्य निषेध की 78 पदों पर भर्ती के लिए प्रारंभिक लिखित परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। परीक्षा में 1,33,718 अभ्यर्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 1,560 अभ्यर्थियों को मुख्य लिखित परीक्षा के लिए सफल घोषित किया गया है।

इसमें 78 रिक्तियों के मुकाबले करीब 20 गुना अभ्यर्थियों का चयन मुख्य परीक्षा के लिए किया गया है।

12 जुलाई को हुई थी परीक्षा: आयोग की ओर से 78 पदों पर सीधी भर्ती के लिए 22 जनवरी 2026 को विज्ञापन जारी किया गया था। इसके बाद 12 जुलाई 2026 को एक पाली में प्रारंभिक लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा में कुल 1,33,718 अभ्यर्थी शामिल हुए।

3,496 अभ्यर्थी अयोग्य घोषित: प्रारंभिक परीक्षा में शामिल अभ्यर्थियों में से 3,496 अभ्यर्थियों को कई कारणों से अयोग्य घोषित किया गया था। इनमें 3 अभ्यर्थी कदाचार, 1,732 अभ्यर्थी उत्तर पत्रक पर गलत रोल नंबर, 1,731 अभ्यर्थी उत्तर पत्रक पर गलत प्रश्न पुस्तिका संख्या, 5 अभ्यर्थी उत्तर पत्रक पर हस्ताक्षर नहीं करने और

25 अभ्यर्थी हिंदी/अंग्रेजी अनुच्छेद नहीं लिखने के कारण अयोग्य हुए। इसके बाद 1,30,222 अभ्यर्थियों की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया।

78 पदों पर होगी भर्ती: अवर निरीक्षक मद्य निषेध के कुल 78 पद हैं। इनमें अनारक्षित वर्ग के 41, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 8, अनुसूचित जाति के 1, अनुसूचित जनजाति के 1, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के 12, पिछड़ा वर्ग के 9 और पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए 2 पद शामिल हैं। महिलाओं के लिए कुल 26 पद आरक्षित हैं। स्वतंत्रता सेनानी कोटा के तहत 2 प्रतिशत आरक्षण का भी प्रावधान है।

आयोग ने प्रारंभिक परीक्षा में न्यूनतम 30 प्रतिशत अंक लाने वाले अभ्यर्थियों में से रिक्तियों के 20 गुना अभ्यर्थियों का सिलेक्शन मुख्य लिखित परीक्षा के लिए किया है। सभी कोटियों की रिक्तियों को भरते हुए कुल 1,560 अभ्यर्थी सफल हुए हैं।

पटना की दो नाबालिग स्कूली लड़कियों ने की शादी

एजेंसी, पटना

पटना की दो नाबालिग स्कूली छात्राओं के घर से भागकर शादी करने का मामला सामने आया है। दोनों छात्राएं कोतवाली थाना इलाके के अदालतगंज की रहने वाली हैं। दोनों एक दूसरे की पड़ोसी भी हैं। दोनों करीब तीन साल से एक-दूसरे को जानती हैं। दोनों 7 अगस्त को घर से निकल गई थीं। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने दोनों को खगड़िया रेलवे स्टेशन के पास से बरामद कर लिया।

7 अगस्त को भागी, खगड़िया के मंदिर में की शादी: पुलिस की पूछताछ में दोनों छात्राओं ने बताया कि वे करीब तीन साल से एक-दूसरे को जानती हैं। इसी दौरान दोनों के बीच प्रेम संबंध होने की बात सामने आई। दोनों ने पुलिस को बताया कि रिश्ते को शादी का रूप देने के लिए वे 7 अगस्त को घर

से निकल गईं और खगड़िया पहुंचीं। उनके पास करीब 3,500 रुपए थे। दोनों के मुताबिक, खगड़िया के एक मंदिर में उन्होंने शादी की और इसके बाद एक होटल में कमरा लेकर ठहरी थीं। एक लड़की 10वीं क्लास में पढ़ती है, जबकि दूसरी 12वीं की छात्रा है। 10वीं में पढ़ने वाली छात्रा के पिता CID में कर्मचारी बताए जा रहे हैं। जो लड़की 12वीं क्लास में पढ़ती है वो मुस्लिम है, जबकि क्लास दसवीं में है वो हिन्दू परिवार से आती है। दोनों की मां ने कोतवाली थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू की।

डॉक्टर से 2.03 करोड़ का एक्सटॉर्शन, रेप केस में फंसाने की धमकी, पहले मां के इलाज के लिए मांगी मदद

एजेंसी, पटना

पटना के राजीव नगर के रहने वाले एक डॉक्टर से मुजफ्फरपुर के दंपती ने 2.03 करोड़ रुपए की ठगी की है। दंपती ने डॉक्टर को रेप के झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर कई किस्तों में ठगी की। अब पीड़ित डॉक्टर की पत्नी ने मुजफ्फरपुर के मिठनपुरा निवासी कोचिंग संचालिका और उसके पति के खिलाफ FIR दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है।

डॉक्टर की पत्नी कविता ने पुलिस को बताया कि 2024 में कोचिंग संचालिका और उसके पति ने मेरे पति से दोस्ती की। इसके बाद व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू हुई। महिला ने सबसे पहले अपनी मां के इलाज के नाम पर 20 हजार रुपए की मदद मांगी। फिर बहाना बनाकर कई बार पैसे मांगे और डॉक्टर पैसे देते रहे। इसी दौरान नया कोचिंग

संस्थान खोलने के लिए डॉक्टर से 10 लाख की डिमांड की है।

7 जुलाई को पति ने पत्नी को बताई पूरी घटना: डॉक्टर की पत्नी कविता ने पुलिस को बताया, 'मेरे पति 7 जुलाई की रात में अचानक जगे और जोर जोर से रोने लगे। रोने की वजह पूछी तो उन्होंने अपने साथ हो रही ब्लैकमेलिंग की पूरी घटना बताई। डॉक्टर ने बताया कि मुजफ्फरपुर जिले के मिठनपुरा की रहने वाली महिला चांदनी ब्लैकमेल कर रही है। अब तक करोड़ों रुपए ले चुकी है। अब भी 10 लाख रुपए की डिमांड की है। अगर रुपए नहीं दिए तो हत्या कर देने की धमकी दी है।'

FIR में क्या लगाया है आरोप: कविता ने पुलिस को दिए शिकायत में बताया है, '2024 में कोचिंग संचालिका और उसके पति से डॉक्टर की दोस्ती हुई। इसके बाद

मुजफ्फरपुर के दंपती पर एफआईआर

व्हाट्सएप पर बातचीत शुरू हुई। कोचिंग संचालिका ने मेरे पति के व्हाट्सएप नंबर पर संपर्क कर पहली बार अपनी मां की बीमारी के इलाज के लिए 20 हजार रुपए की मदद मांगी, जो मेरे पति ने दी।

चांदनी किसी न किसी बहाने से लगातार पैसों की मांग करती रही और मेरे पति मदद के रूप में देते रहे। लगभग 4-5 लाख देने के बाद मेरे पति ने पैसे देने से मना कर दिया। चांदनी बोली कि मिठनपुरा में वो एक कोचिंग खोल रही है, जिसके लिए 10 लाख की मांगी और कहा कि हम अपने पति की आमदनी से सभी कर्ज धीरे-धीरे उतार देंगे। मेरे पति ने भरोसा कर अगले 5-6 माह में 10 लाख रुपए मदद के तौर पर दिए।'

लापता हुई 10वीं की छात्रा को पुलिस ने 36 घंटे के भीतर किया सकुशल बरामद

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर से लापता हुई 10वीं की छात्रा को पुलिस ने 36 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया है। छात्रा को पटना जंक्शन से बरामद किया गया। सिटी एसपी संकेत कुमार ने बताया कि छात्रा का अपहरण नहीं हुआ था, बल्कि वह अपनी मर्जी से एक युवक के साथ पश्चिम बंगाल के आसनसोल चली गई थी। दरअसल, केंद्रीय विद्यालय खगौल की 10वीं कक्षा की छात्रा सोमवार (10 अगस्त) को स्कूल से छुट्टी के बाद लापता हो गई थी। देर शाम तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान रेलवे ट्रैक के पास छात्रा की स्कूल ड्रेस, बैग और आई-कार्ड मिला, जिससे मामला और गंभीर हो गया।

मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि छात्रा की

इंस्टाग्राम पर उसकी सहेली के पश्चिम बंगाल के आसनसोल के विशाल कुमार नामक युवक से दोस्ती हुई थी। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी और दोनों के बीच अफेयर शुरू हो गया। पुलिस के अनुसार, विशाल कुमार के कहने पर छात्रा ने घर छोड़ने का फैसला किया और आसनसोल चली गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि छात्रा पढ़ाई में कमजोर थी और इसी बात को लेकर परिजन अक्सर उसे डांटते थे। इससे नाराज होकर उसने घर छोड़ने का फैसला किया

रेलवे ट्रैक पर मिला था स्कूल ड्रेस-बैग

और अपने प्रेमी के साथ चली गई थी। फिलहाल पुलिस ने नाबालिग छात्रा को बरामद कर उसके परिजनों के हवाले कर दिया है।

10 अगस्त को स्कूल में छुट्टी दोपहर 1:40 बजे हुई, लेकिन वह घर नहीं लौटी। परिजनों ने स्कूल जाकर पता किया तो मालूम चला कि छात्रा स्कूल से निकल चुकी थी। इसके बाद परिवार ने स्कूल के आसपास और रेलवे ट्रैक के समीप उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान रेलवे ट्रैक के पास छात्रा का स्कूल ड्रेस, बैग और आईकार्ड बरामद हुआ, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई। परिजनों ने 10 अगस्त को ही इस संबंध में खगौल थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। लोको कॉलोनी निवासी एक व्यक्ति ने अपनी भतीजी के गायब होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। परिजनों की लिखित शिकायत के आधार पर खगौल थाने में कांड संख्या 408/26 के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने दो अलग-अलग विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया। इन टीमों ने तकनीकी और लोगों से बातचीत के आधार पर छात्रा की तलाश तेज कर दी। पुलिस ने जब जांच शुरू की तो छात्रा की लोकेशन आसनसोल में मिली। इसके बाद पुलिस टीम तुरंत आसनसोल पहुंची। पुलिस के अनुसार, वहां पहुंचने की भनक युवक को पहले ही लग गई थी, जिसके बाद वह छात्रा को छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद छात्रा आसनसोल से पटना के लिए रवाना हुई, जहां पुलिस ने उसे पटना जंक्शन से सकुशल बरामद कर लिया।

सब्जी बेचने के विवाद में दवा व्यापारी को चाकू मारा

एजेंसी, पटना

पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में मंगलवार रात सब्जी बेचने को लेकर हुए विवाद में दवा व्यापारी पर चाकू से हमला कर दिया गया। डीएवी स्कूल, पोस्टल पार्क के पास हुई वारदात में 24 वर्षीय आशुतोष झा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही अगमकुआं थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई और हमलावरों की पहचान के लिए जांच शुरू कर दी है।

दुकान के सामने सब्जी बेचने को लेकर था विवाद: स्थानीय लोगों के मुताबिक, आशुतोष झा की दुकान के सामने निर्मला देवी नाम की एक बुजुर्ग महिला लंबे समय से सब्जी बेचती हैं। निर्मला देवी का कहना है कि वह कई वर्षों से इसी जगह सब्जी

बेचकर परिवार का गुजारा करती हैं। आरोप है कि आशुतोष झा उन्हें वहां से हटाने का प्रयास करते थे। इसी बात को लेकर सब्जी विक्रेताओं और दवा व्यापारी के बीच विवाद चल रहा था। मंगलवार रात विवाद बढ़ने के बाद आशुतोष पर चाकू से हमला कर दिया गया। हमले के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल आशुतोष को अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हमले में कितने लोग शामिल थे और वारदात किसने की। घटनास्थल के आसपास लगे CCTV कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

पटना में बारिश, 18 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

एजेंसी, पटना

पटना में सुबह से तेज धुप निकली थी, लेकिन दोपहर बाद मौसम का मिजाज बदला और तेज बारिश शुरू हो गई।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इस कारण बिहार में आज यानी बुधवार भोजपुर, बक्सर, अरवल, औरंगाबाद, रोहतास, भभुआ, पूर्वी व पश्चिमी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी, शिवहर, दरभंगा, समस्तीपुर और मधुबनी में कुछ स्थानों पर वज्रपात और बारिश की संभावना है। साथ ही 30 से 40 किमी की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। हालांकि पटना और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहेगा। बुधवार को पटना में धूप और उमस भरी गर्मी रहेगी। इस सीजन में बिहार में 35 प्रतिशत कम बारिश हुई। अब तक 590 एमएम

बारिश होनी चाहिए थी, लेकिन 373 एमएम ही बारिश हुई है। वहीं मंगलवार को बांका, लखीसराय, नवादा और जमुई में उनका की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई।

बांका के चांदन के बोड़ा-सुईया गांव में मंगलवार धान रोपने गई तीन महिलाएं उनका की चपेट में आ गई। तीनों की मौत हो गई। बौंसी के सिराय गांव में भी एक व्यक्ति की ठनका से मौत हो गई। काजी कैरी में भी एक व्यक्ति की मौत हुई। लखीसराय और नवादा में तीन-तीन लोगों की मौत हुई। जमुई में भी एक व्यक्ति की मौत हुई।

बिहार में अपराध पर भड़के भाई वीरेंद्र, डायल-112 पर बोले-गश्ती नहीं, मटरगश्ती कर रही पुलिस

एजेंसी, पटना

राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर सरकार और पुलिस प्रशासन पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरे बिहार में हो रहे अपराधिक घटनाओं को लेकर पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए डायल 112 पर गंभीर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा, 'सरकार जब तक अपराध पर लगाम नहीं लगाएगी, तब तक विपक्ष सरकार को सचेत करने का काम करता रहेगा।' उन्होंने मुख्यमंत्री से अपराध नियंत्रण को लेकर ठोस कदम उठाने की अपील की।

नौजवान मुख्यमंत्री अपराध पर लगाम लगाएं- भाई वीरेंद्र: राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, "सरकार जब तक अपराध पर लगाम नहीं लगाती, हम विपक्ष में हैं।

हमारा काम है सरकार को होशियार करना। नौजवान मुख्यमंत्री से मैं आशा करता हूं कि आप अपराध पर लगाम लगाइए।"

प्रशांत किशोर के नौकरी के वादे पर भी बोले: प्रशांत किशोर की ओर से 10 हजार युवाओं को नौकरी देने के वादे पर भी भाई वीरेंद्र ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई युवाओं को नौकरी देने की बात करता है तो वह इसका स्वागत करते हैं, लेकिन पहले नौकरी देकर दिखानी होगी। उन्होंने कहा, "कोई युवाओं को नौकरी देने की बात

श्याम रजक बोले-तेजस्वी राजनीति करने के बजाय यूरोप घूमें

करता है तो मैं इसका स्वागत करता हूं, लेकिन पहले वह नौकरी दे दें, फिर मैं बात करूंगा।"

शराबबंदी पर सरकार को घेरा: बिहार में शराबबंदी कानून को लेकर भी भाई वीरेंद्र ने सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शराबबंदी बिना किसी सर्वे के लागू की गई थी और वे खुद इसके गवाह हैं। उन्होंने कहा कि चाहे नेपाल, झारखंड या छत्तीसगढ़ का बॉर्डर हो, शराब की तस्करी को लेकर सरकार को गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए। अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठते हुए भाई वीरेंद्र ने आरोप लगाया कि अधिकारी 10 ट्रक शराब पर कार्रवाई करवाते हैं और केवल एक ट्रक पकड़वाकर अपनी कार्रवाई दिखाते हैं।

श्याम रजक बोले- पहले अपना घर संभालिए: पूर्व मंत्री और जदयू विधायक श्याम रजक ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव के लिए राजनीति करने के बजाय यूरोप घूमने जाएं तो ज्यादा अच्छा रहेगा। बिहार में सरकार हर घटनाक्रम पर नजर रख रही है और कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में तत्काल कार्रवाई की जा रही है।' श्याम रजक ने एके-47 से गोली चलाने के मामले का जिक्र करते हुए कहा, 'सरकार को जैसे ही मामले की जानकारी मिली, संबंधित सिपाही को तत्काल निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि वे पहले अपने घर के मामलों को ठीक करें, बाकी चीजें सरकार पर छोड़ दें। सरकार अपना काम कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

समेकित पोषक तत्व प्रबंधन प्रशिक्षण के 68वें बैच का समापन

बीएनएम@ मोतिहारी। कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी में समेकित पोषक तत्व प्रबंधन प्रशिक्षण के 68वें बैच का 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को संपन्न हो गया। प्रशिक्षण 29 जुलाई से 12 अगस्त 2026 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य, संतुलित एवं समेकित उर्वरक प्रबंधन, जैविक एवं अजैविक पोषक तत्वों के समुचित उपयोग, मृदा परीक्षण, फसलवार पोषक तत्व प्रबंधन तथा पोषक तत्वों के कुशल उपयोग से संबंधित विभिन्न विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी गई। विषय विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिकों ने विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को समेकित पोषक तत्व प्रबंधन की नवीनतम तकनीकों और उनके व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण के साथ टिकाऊ एवं संतुलित कृषि उत्पादन के लिए सक्षम बनाना रहा। समापन समारोह में कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान डॉ. अरविंद कुमार सिंह, जिला उद्यान पदाधिकारी विकास कुमार, विषय-वस्तु विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) सुश्री सविता कुमारी, केंद्र के कर्मी श्री गौरव कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे। समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान एवं तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि समेकित पोषक तत्व प्रबंधन को अपनाकर मृदा की उर्वरता बनाए रखने के साथ कृषि उत्पादन को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाया जा सकता है।

हनुमानगढ़ विद्यालय से निकली तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के नारों से गूंजा इलाका

बीएनएम@ मोतिहारी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने के उद्देश्य से राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, हनुमानगढ़ से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा को मुखिया मोहन सहनी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हाथों में तिरंगा और दिल में देशभक्ति का जज्बा लिए विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक यात्रा में भाग लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान देशभक्ति से जुड़े नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा। यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश की एकता-अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रेमचंद राम, प्रधान शिक्षक मनोज कुमार सिंह सहित शिक्षक रंजन साहनी, संजय सरकार, महानंद, मनमोहन सिंह, दिलीप चंद्र राय, सुनंदा पैरा, पूजा कुमारी, अनीता रानी, ममता कुमारी, सृष्टि कुमारी, शाहिना परवीन, स्वाति वर्मा, सुधा कुमारी, अनुपम कुमारी, पिंकी कुमारी, निखत अंजुम, वर्षा रानी समेत विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। विद्यालय परिसर से शुरू हुई यह यात्रा बच्चों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक एकता और नागरिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने वाली रही। शिक्षकों ने विद्यार्थियों को तिरंगे के सम्मान और स्वतंत्रता संग्राम के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा के दौरान बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन को केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि नई पीढ़ी में देशभक्ति और जिम्मेदार नागरिकता की भावना जगाने का सार्थक प्रयास बताया।

सर्वोदय उच्च विद्यालय जाहिंगरा में निर्वाचन साक्षरता क्लब कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम@ मोतिहारी। जिला के चकिया प्रखंड संसाधन केंद्र अंतर्गत सर्वोदय उच्च विद्यालय, जाहिंगरा में निर्वाचन साक्षरता क्लब के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यालय प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता एवं नोडल शिक्षक कुंदन कुमार की देखरेख में आयोजित हुआ, जिसमें इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेंद्र कुमार गुप्ता ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए देश के प्रत्येक 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के नागरिक का मतदाता बनना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने मताधिकार का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग कर स्वच्छ एवं मजबूत लोकतांत्रिक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। नोडल शिक्षक कुंदन कुमार ने सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में विद्यालय स्तर पर निर्वाचन साक्षरता क्लब की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि युवाओं को मतदान प्रक्रिया और अपने संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना समय की आवश्यकता है। विद्यालय के शिक्षक धनंजय कुमार रवि ने छात्र-छात्राओं को निर्वाचन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मताधिकार का प्रयोग नागरिकों का महत्वपूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि जिन युवाओं की उम्र 18 वर्ष पूरी हो चुकी है, वे फॉर्म-6 के माध्यम से मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे अपने परिवार एवं आसपास के समाज में भी 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके लोगों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने, मतदान के महत्व तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया में युवाओं की भागीदारी के संबंध में जागरूक किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक शोभा कुमारी (हिंदी), मीरा कुमारी (गृह विज्ञान), अनुप कुमार (सामाजिक विज्ञान), चंदन चौधरी (लेखाशास्त्र), नीतू कुमारी (उद्यमिता), अब्दुल समद (संगणक विज्ञान), राजकिशोर (जंतु विज्ञान), शकील अहमद अंसारी (उर्दू), नेहा कुमारी (गणित) एवं हर्ष कुमार सिंह सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के माध्यम से समाज में मतदाता जागरूकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देना रहा।

15 अगस्त को ऐतिहासिक गांधी मैदान में शान से लहराएगा तिरंगा

जिला प्रभारी मंत्री करेंगे झंडोत्तोलन, स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। स्वतंत्रता दिवस समारोह को लेकर पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 15 अगस्त को मोतिहारी के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में सुबह 9 बजे जिला के प्रभारी मंत्री सह बिहार सरकार के ग्रामीण विकास एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री द्वारा झंडोत्तोलन किया जाएगा। समारोह को लेकर जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन सभागार में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मुख्य समारोह स्थल गांधी मैदान में जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं आम लोगों के लिए बेहतर बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। महिलाओं के लिए अलग दीर्घा तथा पत्रकारों के लिए बैठने और कार्यक्रम की कवरेज हेतु पृथक व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। समारोह के दौरान प्रभारी मंत्री पूर्वी चंपारण में विकास एवं प्रगति से जुड़े कार्यों तथा बड़े प्रोजेक्ट्स की जानकारी साझा करते हुए उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करेंगे। वहीं, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को मुख्य मंच पर भामाशाह सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस पर विभिन्न सरकारी कार्यालयों में झंडोत्तोलन का समय भी निर्धारित किया गया है। गांधी मैदान में सुबह 9 बजे, समाहरणालय परिसर में 9:45 बजे, अनुमंडल कार्यालय सदर में 9:50 बजे, नगर निगम कार्यालय में 10:05 बजे, गांधी संग्रहालय में 10:15 बजे, जिला परिषद कार्यालय में 10:25 बजे, पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 10:35 बजे तथा पुलिस केंद्र मोतिहारी में 10:40 बजे झंडोत्तोलन होगा। इसके बाद सुबह 11:05 बजे से महादलित टोलों में झंडोत्तोलन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस बार महादलित टोलों में महिलाओं के हाथों झंडोत्तोलन कराने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस परेड का फुल ड्रेस रिहर्सल 13 अगस्त को सुबह 9 बजे गांधी मैदान में होगा। इसमें सभी परेड टुकड़ियां भाग लेंगी और संबंधित पदाधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। बरसात के मौसम को देखते हुए गांधी मैदान में परेड ट्रैक को दुरुस्त कराने का निर्देश कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल को दिया गया। नगर निगम को गांधी मैदान, कलेक्ट्रेट परिसर सहित प्रमुख मार्गों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया। मंच निर्माण, रंग-रोगन एवं बैरिकेडिंग का कार्य भी समय से पूरा करने का निर्देश दिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नगर निगम क्षेत्र में स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर जिला स्तरीय पदाधिकारियों द्वारा माल्यार्पण किया जाएगा। जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को सभी प्रतिमाओं की साफ-सफाई, रंग-रोगन एवं अन्य आवश्यक कार्य समय से पूरा कराने का निर्देश दिया। समारोह के लाइव प्रदर्शन एवं प्रसारण की व्यवस्था जिला प्रशासन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, फेसबुक पेज एवं वेबकास्ट के माध्यम से कराने का भी निर्देश दिया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को दोपहर 2 बजे गांधी मैदान में क्रिकेट मैच का आयोजन होगा। इसमें जिला प्रशासन और मीडिया की टीम आमने-सामने होगी। इसके लिए जिला खेल पदाधिकारी एवं उप समाहर्ता, जिला नजारत को आवश्यक तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया गया। स्वतंत्रता दिवस की संध्या 5 बजे महात्मा गांधी प्रेक्षागृह में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसमें सरकारी एवं निजी विद्यालयों के साथ कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के विद्यार्थी भी भाग लेंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए आयोजित स्क्रीनिंग में कुल 26 टीमों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 19 टीमों का चयन किया गया है। चयनित टीमें सांस्कृतिक संध्या में अपनी प्रस्तुति देंगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिलाधिकारी ने अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर, मोतिहारी को अलग से प्रतिनियुक्ति आदेश जारी करने का निर्देश दिया। बैठक के बाद जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य वरीय पदाधिकारियों के साथ गांधी मैदान का निरीक्षण किया। उन्होंने समारोह स्थल पर चल रहे निर्माण, साफ-सफाई, मंच, बैरिकेडिंग एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में नगर आयुक्त आशीष कुमार, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) शैलेन्द्र कुमार भारती, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, अपर समाहर्ता विभागीय जांच मो. सिबगतुल्लाह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर मोतिहारी दिलीप कुमार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, स्काउट एवं गाइड के प्रतिनिधि तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मरीज के लिए रक्तदान करने को रक्तवीर ने बंद की दुकान

बीएनएम@ मोतिहारी

मानवता और इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए रक्सौल के एक रक्तवीर ने जरूरतमंद मरीज की जान बचाने के लिए अपनी दुकान तक बंद कर दी। कौड़िहार निवासी महेंद्र ठाकुर ने मोतिहारी के एक अनजान मरीज के ऑपरेशन के लिए रक्त की आवश्यकता होने पर मस्करा चैरिटेबल ट्रस्ट के सदस्य रवि मस्करा से संपर्क किया। रवि मस्करा ने तत्काल कोरियाटोला निवासी रक्तवीर अजय बाबू से संपर्क किया। संयोगवश उस दिन उनकी सैनिटरी दुकान का स्टाफ अनुपस्थित था। इसके बावजूद अजय बाबू ने दुकान के काम से अधिक मानव जीवन को महत्व देते हुए दुकान बंद कर दी और रवि मस्करा के साथ बीरगंज स्थित रेडक्रॉस पहुंचकर रक्तदान किया। अजय बाबू के इस मानवीय कदम की सराहना करते हुए रवि मस्करा ने कहा कि ऐसे रक्तवीरों के कारण ही समाज में मानवता आज भी जीवित है। उनका यह कार्य न केवल एक जरूरतमंद मरीज के लिए जीवनदायी साबित होगा, बल्कि समाज के अन्य लोगों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करेगा। रक्तदान के बाद अजय बाबू ने यह संदेश दिया कि जरूरत के समय किया गया रक्तदान किसी के लिए जीवन का उपहार बन सकता है। उनकी इस पहल की क्षेत्र में भी सराहना की जा रही है।

'वंदे मातरम' के जयघोष से गूंजा मोतिहारी, निकली भव्य तिरंगा यात्रा

हर वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा, स्वतंत्रता संग्राम के संघर्षों की याद हुई ताजा

» **तिरंगा यात्रा राष्ट्रवाद और राष्ट्रभक्ति की भावना को करेगी मजबूत : जिलाधिकारी**

बीएनएम@ मोतिहारी

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार से प्राप्त निर्देश के आलोक में 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के तहत बुधवार को जिला प्रशासन, पूर्वी चंपारण के सौजन्य से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। 'वंदे मातरम' के जयघोष और हाथों में लहराते तिरंगे के बीच निकली इस यात्रा में समाज के सभी वर्गों के लोगों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। यात्रा ने स्वतंत्रता संग्राम के संघर्षों और राष्ट्रभक्ति की भावना को एक बार फिर जीवंत कर दिया। तिरंगा यात्रा में जिले के सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, विभिन्न संघों के प्रतिनिधि, चिकित्सक, संस्कृतिकर्मी, व्यवसायी, शिक्षाकर्मी, खिलाड़ी, समाहरणालय कर्मी सहित बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे शामिल हुए।यात्रा का शुभारंभ समाहरणालय परिसर से हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन से हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान 'जन गण मन' का गायन किया गया। समाहरणालय परिसर में 'वंदे मातरम' की परिकल्पना पर आधारित भव्य रंगोली भी बनाई गई थी, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। यात्रा को रवाना करने से पूर्व जिलाधिकारी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' को भारत सरकार ने राष्ट्रगीत के रूप में स्वीकृत किया है। महान कवि एवं रचनाकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा वर्ष 1875 में रचित यह गीत आज भी देशवासियों में राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करता है। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने कहा कि 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देशभर में देशभक्ति एवं राष्ट्र गौरव की भावना को प्रबल करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में पूर्वी चंपारण जिला प्रशासन द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है, जिसमें समाज के सभी वर्गों का व्यापक सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना से ओत-प्रोत व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। समाहरणालय परिसर से निकली तिरंगा यात्रा मुख्य पथ होते हुए कचहरी चौक, राजा बाजार, बलुआ ओवरब्रिज, सदर अस्पताल, रेड क्रॉस और टाउन थाना होते हुए गांधी संग्रहालय पहुंची। यात्रा के समापन से पूर्व इसमें शामिल जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। जिले के सभी अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर पर भी बुधवार को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में भी बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान एवं राष्ट्रभक्ति की भावना का प्रदर्शन किया।

शिक्षक की तत्परता से सरकारी विद्यालय में बड़ा अग्निकांड टला

» **किचेन में धधक रही आग के बीच शिक्षक ने जान जोखिम में डालकर बाहर निकाला गैस सिलेंडर, लापरवाही पर उठे सवाल**

बीएनएम@ मोतिहारी

राजकीय प्राथमिक विद्यालय बरियारपुर कॉलोनी के किचेन में बुधवार दोपहर अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। समय रहते एक शिक्षक की तत्परता और साहस के कारण बड़ा हादसा टल गया। किचेन में आग के साथ गैस सिलेंडर रखे होने के कारण स्थिति बेहद गंभीर हो गई थी। आग फैलती तो विद्यालय के साथ आसपास की कॉलोनी भी इसकी चपेट में आ सकती थी। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे विद्यालय के समीप रहने वाली एक महिला ने किचेन से धुआं निकलते देखा और इसकी सूचना विद्यालय प्रबंधन को दी। सूचना मिलते ही शिक्षक मदनाकर कुमार ने तत्काल किचेन के गेट के पास खड़ी अपनी बाइक हटाई। इसके बाद अन्य शिक्षकों ने भी अपनी बाइक वहां से हटा ली और सभी किचेन की ओर दौड़े। दरवाजा खोलते ही अंदर से तेज काला धुआं निकलने लगा। धुआं इतना अधिक था कि किचेन के भीतर कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए शिक्षक अंदर जाने से हिचक रहे थे। इसी दौरान शिक्षक मदनाकर कुमार ने नाक पर रुमाल बांधा और जान जोखिम में डालकर किचेन के अंदर प्रवेश किया। घने धुएं और घुटन के बीच किसी तरह चूल्हे तक पहुंचकर उन्होंने खिड़की खोली, जिससे धुआं बाहर निकलने लगा। इस दौरान उनकी नजर चूल्हे के ठीक बगल में रखे गैस सिलेंडर पर पड़ी। उन्होंने तत्काल सिलेंडर को बाहर निकाला। किचेन में रखे अन्य गैस सिलेंडरों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद पड़ोस के लोगों और विद्यालय के अन्य शिक्षकों की मदद से आग पर काबू पाया गया। बताया गया कि मदनाकर कुमार ने पटना से आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इससे पहले भी उन्होंने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), छतौनी में पेड़ में लगी आग बुझाने में भूमिका निभाई थी। वहीं, अपने मोहल्ले में बिजली के केबल में लगी आग बुझाने के दौरान भी उन्होंने जोखिम उठाया था। उनके इस साहसिक कार्य के लिए तत्कालीन पुलिस अधीक्षक कुमार आशीष द्वारा उन्हें सम्मानित किए जाने की बात बताई गई है। आग लगने की सूचना से विद्यालय के बच्चे भी भयभीत हो गए और परिसर में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, समय रहते आग पर काबू पा लिए जाने से बड़ा नुकसान होने से बच गया।

लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाने को लेकर उठे सवाल- घटना के बाद विद्यालय में सुरक्षा व्यवस्था और किचेन संचालन को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि बार-बार मना किए जाने के बावजूद लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा था। भोजन बनाने के बाद चूल्हे की आग को पूरी तरह बुझाए बिना उसके ऊपर सूखी लकड़ियों का ढेर रख दिया गया। इसके बाद किचेन को बंद करने से पहले आग पूरी तरह बुझी है या नहीं, इसकी जांच नहीं की गई। किचेन के ठीक बगल में विद्यालय का कार्यालय भी है। आग फैलने की स्थिति में विद्यालय के महत्वपूर्ण दस्तावेज, रिकॉर्ड और राशन जलकर नष्ट हो सकते थे। वहीं, किचेन में गैस सिलेंडर मौजूद होने के कारण खतरा और भी गंभीर था। घटना को लेकर जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग से पूरे मामले की जांच की मांग उठ रही है। यह भी जांच का विषय बताया जा रहा है कि विद्यालय में सुरक्षा मानकों के विपरीत लकड़ी के चूल्हे पर खाना क्यों बनाया जा रहा था और किचेन को बंद करने से पहले आग की स्थिति की जांच क्यों नहीं की गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किचेन से धुआं निकलने की सूचना समय पर नहीं मिलती और आग कुछ देर और धधकती रहती, तो सरकारी विद्यालय के साथ आसपास की कॉलोनी में भी बड़ा हादसा हो सकता था।

30 दिवसीय निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण का समापन, महिलाओं को मिले आत्मनिर्भरता के हुनर

बीएनएम@ मोतिहारी

सीमावर्ती क्षेत्र की महिलाओं एवं युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), मोतिहारी की ओर से आयोजित 30 दिवसीय निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का बुधवार को समापन हुआ। समापन समारोह समवाय मुख्यालय जमुनिया के कार्यक्षेत्र अंतर्गत वीवीपी-II झरोखर के पंचायत सरकार भवन (पिठवा) में आयोजित किया गया। इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं एवं युवतियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का आयोजन कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार के निर्देशन एवं उप कमांडेंट श्री राकेश कुमार की अध्यक्षता में किया गया। मुख्य अतिथि झरोखर पंचायत की वार्ड सदस्य श्रीमती सविता देवी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एसएसबी की ओर से सीमावर्ती क्षेत्र की महिलाओं एवं युवतियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से 9 जुलाई से 7 अगस्त 2026 तक 30 दिवसीय निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण संचालित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षुओं को सिलाई मशीन संचालन, कपड़ों की माप एवं कटिंग, विभिन्न प्रकार के कपड़ों की सिलाई सहित अन्य उपयोगी सिलाई कार्यों का व्यावहारिक एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया। समारोह को संबोधित करते हुए उप कमांडेंट राकेश कुमार ने कहा कि सशस्त्र सीमा बल केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों के नागरिकों के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए भी लगातार कार्य कर रहा है। भारत सरकार के निर्देशन में युवक-युवतियों एवं महिलाओं के कौशल विकास के लिए समय-समय पर विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन प्रशिक्षणों के माध्यम से स्थानीय लोग निःशुल्क हुनर सीखकर स्वरोजगार स्थापित कर अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सिलाई प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं एवं युवतियों को ऐसा हुनर उपलब्ध कराना है, जिसके माध्यम से वे घर से ही सिलाई का काम शुरू कर आय अर्जित कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। समापन समारोह में मुख्य अतिथि सविता देवी एवं अन्य गणमान्य लोगों ने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सभी प्रशिक्षुओं के बीच प्रमाण-पत्र वितरित किए। वार्ड सदस्य सविता देवी ने कहा कि महिलाओं एवं युवतियों को कौशल आधारित प्रशिक्षण देना उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। महिलाओं के आर्थिक रूप से सशक्त होने का सकारात्मक प्रभाव परिवार के साथ-साथ पूरे समाज पर पड़ता है। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र में इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एसएसबी के प्रयासों की सराहना की। प्रशिक्षुओं ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि निःशुल्क प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें नया हुनर सीखने का अवसर मिला है। अब वे घर से सिलाई कार्य शुरू कर आय अर्जित करने और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने में सक्षम होंगी। प्रशिक्षुओं ने इस पहल के लिए 71वीं वाहिनी एसएसबी के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम के दौरान एसएसबी की ओर से मोटे अनाज (श्री अन्न) के उपयोग एवं उसके पोषण संबंधी लाभों के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया गया। साथ ही 'वंदे मातरम् (चरण-3)' एवं 'हर घर तिरंगा अभियान' का प्रचार-प्रसार करते हुए लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने और अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर माहौल को राष्ट्रप्रेम से सराबोर कर दिया। समारोह में शिक्षक ठगा राम, रामपुकार प्रसाद, वार्ड सदस्य पति खितौली, श्रीमहंत जी, प्रखंड अध्यक्ष सोनपुर, प्रभात कुमार, मुखिया प्रतिनिधि झरोखर, प्रभु नारायण, संजय कुमार, अखिलेश कुमार, सहायक कमांडेंट, निरीक्षक अमित कुमार, निरीक्षक राजेंद्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक उत्कर्ष भूषण, झरोखर थाना अध्यक्ष असलम अंसारी, जीतेन्द्र कुमार प्रमुख SARETA सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने सीमावर्ती क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एसएसबी की ओर से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की।

बीजधरी पुलिस ने 10 लीटर देसी शराब के साथ दो कारोबारियों को दबोचा, अपहरण कांड का फरार आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी

बीजधरी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए 10 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ दो कथित शराब कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। वहीं, अपहरण कांड में फरार चल रहे एक प्राथमिकी अभियुक्त को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बीजधरी थानाध्यक्ष सीमा कुमारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्तार राय, पिता स्वर्गीय कपिल देव राय, ग्राम सुंदरपुर मलाही टोला, थाना बीजधरी, जिला पूर्वी चंपारण तथा सन्नी कुमार, पिता स्वर्गीय लालदेव राय, ग्राम सुंदरापुर मलाही टोला, वार्ड नंबर 13, थाना साहेबगंज, जिला मुजफ्फरपुर को 10 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष ने बताया कि इसके अलावा बीजधरी थाना कांड संख्या 151/25 में अपहरण के मामले में फरार चल रहे प्राथमिकी अभियुक्त ईश्वर शाह, पिता रंजन शाह, ग्राम सुंदरपुर, थाना बीजधरी, जिला पूर्वी चंपारण को भी गिरफ्तार किया गया है। सीमा कुमारी ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपितों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा शराब कारोबार एवं फरार आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पितृपक्ष मेला की तैयारियों को लेकर डीएम ने की समीक्षा बैठक

आवासन, प्रचार-प्रसार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कोषांगों को दिए दिशा-निर्देश

बीएनएम@ गयाजी। पितृपक्ष मेला-2026 के सफल एवं व्यवस्थित आयोजन को लेकर डीएम शशांक शुभंकर की अध्यक्षता में आवासन, प्रचार-प्रसार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कोषांग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित कोषांगों द्वारा की जा रही तैयारियों एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आवासन व्यवस्था की समीक्षा के क्रम में डीएम ने निर्देश दिया कि पूर्व वर्षों में बनाए गए आवासन स्थलों का भौतिक सत्यापन कर उनकी वर्तमान स्थिति का आकलन किया जाए। जर्जर अथवा अनुपयुक्त भवनों को चिन्हित करते हुए आवश्यकता के अनुसार आवासन को दूसरे सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जाए। उन्होंने आवासन स्थलों पर श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, शौचालय, बिजली, साफ-सफाई, प्रकाश, सुरक्षा सहित सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही, आवासन स्थलों की नियमित निगरानी एवं व्यवस्थाओं का समय से पूर्व परीक्षण सुनिश्चित करने को कहा।प्रचार-प्रसार कोषांग की समीक्षा के दौरान पितृपक्ष मेला-2026 के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी ली गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम कोषांग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि पितृपक्ष मेला के दौरान भारतीय ज्ञान परंपरा तथा मगध की समृद्ध संस्कृति एवं इतिहास पर आधारित विशेष सेमिनार का आयोजन किया जाए। बैठक में सिटी एसपी, डीडीसी, एडीएम (राजस्व, विधि व्यवस्था), सहायक समाहर्ता, ओसीडी, सहित अन्य सम्बन्धित पदाधिकारी, कोषांग में शामिल सदस्य उपस्थित रहे।

गंडक पार के नदी किनारे मिला युवक का शव

इलाके में सनसनी, परिजनों ने हत्या की जताई अशंका

बीएनएम@ बगहा: बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित नदी थाना क्षेत्र के पकाहा दियारे में बुधवार की सुबह नदी किनारे पानी में एक 35 वर्षीय व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। दियारे में रह रहे लोगों ने शव मिलने की सूचना नदी थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही नदी थानाध्यक्ष दीपक कुमार प्रसाद और भितहा थानाध्यक्ष नरेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान भितहा थाना क्षेत्र के मुंडाडीह गांव निवासी पूर्व दस्यु सरगना वासदेव यादव के पुत्र छोटेलाल यादव के रूप में हुई है। वासुदेव यादव पुराने मामलों में फिलहाल बगहा उपकारा में बंद है। परिजनों के अनुसार, छोटेलाल यादव मंगलवार को पकाहा दियारे में स्थित अपने डेरा पर गए थे। देर शाम तक वह डेरा पर मौजूद थे। रात करीब सात बजे के बाद अचानक उनके गायब होने की जानकारी परिजनों को मिली। इसके बाद परिजन रात में ही पकाहा दियारे पहुंचे और आसपास के इलाके में उनकी खोजबीन शुरू की। काफी तलाश करने के बाद भी रात में उनका कोई पता नहीं चल सका। बुधवार की सुबह डेरा से कुछ दूरी पर नदी किनारे पानी में उनका शव मिला। भितहा थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बिहार अभियान के तहत कटहल का पौधारोपण

बीएनएम@ समस्तीपुर। सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बिहार अभियान के तहत विद्यापतिनगर प्रखंड के बालकृष्णपुर मड़वा में पर्यावरण संरक्षण को लेकर पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भाई रणधीर एक्टिविस्ट के नेतृत्व में तथा शैलेन्द्र जी की अध्यक्षता में कटहल का पौधा लगाया गया। इस दौरान लोगों को सिंगल यूज प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने के साथ अधिक से अधिक पौधे लगाना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लोगों से प्लास्टिक का उपयोग कम करने और पौधारोपण को बढ़ावा देने की अपील की गई। कार्यक्रम में सत्यदेव सिंह, विनोद सिंह, नंद किशोर कापर और चिंटु सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

"हर घर तिरंगा अभियान" के तहत कार्यक्रम

बीएनएम@ गयाजी। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज जिले के फतेहपुर, टेकरी, बाराचट्टी, वजीरगंज, नगर प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में "हर घर तिरंगा अभियान" के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर उस प्रखंड बीडीओ, सीओ, अन्य प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी/कर्मी, आमजनों ने राष्ट्रध्वज तिरंगे के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना को प्रबल करते हुए नागरिकों को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के लिए जागरूक किया।

RJD के 15-16 विधायक छोड़ सकते हैं पार्टीः मृत्युंजय तिवारी

राजद के भीतर असंतोष बढ़ रहा और कई विधायक मौजूदा नेतृत्व की कार्यशैली से नाराज

बीएनएम@ पटना। बिहार की राजनीति में राष्ट्रीय जनता दल (RJD) को लेकर एक बार फिर सियासी हलचल तेज हो गई है। बीजेपी नेता मृत्युंजय तिवारी ने दावा किया है कि राजद के करीब 15 से 16 विधायक कभी भी पार्टी छोड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि राजद के भीतर असंतोष बढ़ रहा है और कई विधायक मौजूदा नेतृत्व व संगठन की कार्यशैली से नाराज हैं। मृत्युंजय तिवारी का यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि वह हाल ही में राजद छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। वह लंबे समय तक राजद के प्रमुख प्रवक्ताओं में रहे। उन्होंने 16 जुलाई 2026 को पार्टी से इस्तीफा दिया था। इस्तीफे के दौरान उन्होंने पार्टी नेतृत्व की ओर से उपेक्षा और अपनी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया था।

बीरगंज में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने पर विशेष कार्यक्रम

सामूहिक गायन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश

बीएनएम@ रक्सौल/बीरगंज

राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत के महावाणिज्य दूतावास, बीरगंज की ओर से मंगलवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बीरगंज स्थित सैनिक बैरक के समीप क्लासिक बैंक्वेट में आयोजित कार्यक्रम में भारत-नेपाल के सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंधों की झलक के साथ राष्ट्रभक्ति का संदेश गूंजा।

कार्यक्रम में 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का स्मरण करते हुए इसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राष्ट्रनिर्माण में योगदान पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया गया तथा विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुतियां दी गईं।

चिल्ड्रेन वर्ल्ड माध्यमिक विद्यालय, ज्ञानदा एकेडमी वीरगंज तथा डीएवी आरबी केडिया विद्यालय के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक एवं देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना का संचार किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारत के महावाणिज्यदूत, बीरगंज, डी.एस. मीना ने कहा कि 'वंदे मातरम्' केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्रीय एकता, मातृभूमि के प्रति सम्मान और गहन देशभक्ति की भावना से जुड़ी अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि इसकी रचना के 150 वर्ष पूरे होने का अवसर नई पीढ़ी के लिए इसके इतिहास, भावनात्मक महत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पण को समझने का महत्वपूर्ण अवसर है।

उन्होंने कहा कि नेपाल और भारत के बीच सदियों से चले आ रहे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं जनस्तरीय संबंधों को और मजबूत बनाने में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में बीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ के उपाध्यक्ष माधव राजपाल, ज्येष्ठ नागरिक समाज के अध्यक्ष जगदीश शर्मा, नेपाल पत्रकार महासंघ पर्सा के सदस्य राहुल गुप्ता, लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 ई के जोनल चेयरपर्सन सह डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन एवं भारत विकास परिषद, रक्सौल के सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ, लायन राधेश्याम खेतान, लायन राजकुमार सिंधी, लायन पिया सिंह, लायन गुड्डी जोशी सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य लोग, उद्योगपति, व्यवसायी, समाजसेवी एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

अपने बधाई संदेश में भारत विकास परिषद, रक्सौल शाखा के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी ने कहा कि देश से बाहर इस तरह के आयोजन से स्थानीय भारतीयों के साथ-साथ नेपाल के लोगों को भी भारत की गौरवशाली परंपरा और देशभक्ति की भावना से परिचित होने का अवसर मिलता है। ऐसे आयोजनों से दोनों देशों के बीच सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंध और अधिक प्रगाढ़ होते हैं।

उपस्थित लोगों ने 'वंदे मातरम्' में निहित राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को आत्मसात करने तथा भारत-नेपाल के सदियों पुराने सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर बल दिया।

कार्यक्रम का संचालन भारत के महावाणिज्य दूतावास, वीरगंज के वाणिज्य दूत मनीष दास ने किया। विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्तिपूर्ण प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत रामगढ़वा में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

» **भारत माता की जय और वंदे मातरम् के नारों से गूंजा रामगढ़वा**

बीएनएम@ रामगढ़वा

'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत बुधवार को रामगढ़वा प्रखंड कार्यालय परिसर से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को मजबूत करना था। प्रखंड कार्यालय परिसर से शुरू हुई तिरंगा यात्रा प्रखंड मुख्यालय के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा थामे जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान पूरा क्षेत्र 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम्' और 'हिंदुस्तान जिंदाबाद' के नारों से गूंज उठा। तिरंगा यात्रा के दौरान रामगढ़वा का माहौल देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। यात्रा का नेतृत्व सुगौली विधायक बबलू गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार, थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर संजीव मौआर और अंचलाधिकारी अमित कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर उपप्रमुख अरविंद पांडे, प्रमुख प्रतिनिधि विशाल गुप्ता, बीपीआरओ इंद्रजीत कुमार, जेई मनोज कुमार, एनसीसी कैडेट्स, प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के अधिकारी-कर्मी, विभिन्न विभागों के कर्मी, पंचायत प्रतिनिधि, सांसद प्रतिनिधि पुष्पेंद्र तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा मौजूद रहे। आयोजकों ने कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान' का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देश की एकता-अखंडता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराना है। तिरंगा यात्रा के दौरान लोगों में दिखा उत्साह अभियान की सफलता का संदेश देता नजर आया।

शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनेगा महावीरी झंडा मेला

शांति समिति की बैठक में प्रशासन ने जारी किए सख्त निर्देश

बीएनएम@ रामगढ़वा

आगामी महावीरी झंडा पर्व को शांतिपूर्ण, अनुशासित और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर रामगढ़वा थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष संजीव मौआर ने की। इस दौरान अंचलाधिकारी अमित कुमार भी मौजूद रहे। बैठक में पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। थानाध्यक्ष संजीव मौआर और अंचलाधिकारी अमित कुमार ने दोनों समुदायों के प्रबुद्ध नागरिकों से पर्व को आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाने की अपील की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान डीजे संचालन, शराब का सेवन एवं बिक्री तथा भाला, फरसा समेत किसी भी प्रकार के घातक हथियारों के प्रदर्शन पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। अधिकारियों ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने या पर्व के दौरान माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखने की बात कही। अफवाह फैलाने या भ्रामक सूचना प्रसारित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई। बैठक में मुखिया अशोक सिंह, शिवचन्द्र सिंह, मुन्ना तूफानी, नसीबुल हक, शेख मैनुद्दीन, मुन्नू पाठक, रवि यादव, जिला परिषद प्रतिनिधि कमरुद्दीन मंसूरी, मुन्ना कुमार और अरुण कुमार सहित कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। बैठक के अंत में उपस्थित लोगों ने प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए महावीरी झंडा मेले को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग का संकल्प लिया।

पताही में निकली भव्य तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगा पूरा प्रखंड

हर घर तिरंगा अभियान के तहत युवाओं और ग्रामीणों ने दिखाया उत्साह

बीएनएम@ पताही

'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत बुधवार को पताही प्रखंड में बीडीओ उदय कुमार के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में युवा, नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए देशभक्ति, राष्ट्रप्रेम, एकता और अखंडता का संदेश दिया। यात्रा के दौरान 'भारत माता की जय' समेत देशभक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा। जगह-जगह स्थानीय लोगों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत किया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। इस अवसर पर जिला परिषद 51 के प्रतिनिधि श्यामसुंदर सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। इसमें देश के गौरव, त्याग, बलिदान और एकता की भावना समाहित है। 'हर घर तिरंगा अभियान' लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के साथ देश के प्रति अपने कर्तव्यों का एहसास कराने का महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने कहा कि सभी को जाति, धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना चाहिए। देश की मजबूती और विकास के लिए समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और एकता जरूरी है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों में आगे आने की अपील की। बीडीओ उदय कुमार ने कहा कि 'हर घर तिरंगा अभियान' का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान और देश के प्रति गौरव की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने लोगों से अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपने घरों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की अपील की। तिरंगा यात्रा में जिला परिषद सदस्य मो. नसीम अख्तर, जिला परिषद 51 के प्रतिनिधि श्यामसुंदर सिंह उर्फ गुड्डू सिंह सहित प्रखंड क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, युवा और ग्रामीण शामिल हुए। यात्रा के दौरान लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। तिरंगा यात्रा ने पूरे प्रखंड में राष्ट्रप्रेम, एकता और भाईचारे का सकारात्मक संदेश दिया।

घोड़ासहन में अवैध खाद कारोबार का पर्दाफाश, 39 बोरा खाद जब्त

बीएनएम@ घोड़ासहन

गुप्त सूचना के आधार पर हुई छापेमारी में प्रशासन ने अवैध खाद के एक बड़े कारोबार का पर्दाफाश किया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रखंड कृषि पदाधिकारी को तुरंत सूचित किया गया, जिसके बाद संयुक्त जांच प्रक्रिया शुरू की गई। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि राजवाड़ा गांव निवासी रामाधार महतो (पिताः स्वर्गीय बाबू लाल महतो) बिना किसी वैध लाइसेंस के बड़े पैमाने पर खाद की बिक्री और जमाखोरी कर रहे थे। प्रशासनिक टीम द्वारा उनके गोदाम पर दी गई दबिश में 39 बोरा अवैध खाद बरामद कर जब्त कर लिया गया। इस गैर-कानूनी गतिविधि को लेकर घोड़ासहन थाना में कांड संख्या 324/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। फिलहाल पुलिस और कृषि विभाग की टीम आरोपी के खिलाफ आगे की सख्त कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है। इस कार्रवाई से इलाके के खाद माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

पीएम श्री उच्च विद्यालय जिहुली में रंगनाथन जयंती एवं पुस्तकालय दिवस मनाया गया

पुस्तकों के महत्व और नियमित अध्ययन के प्रति विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

बीएनएम@ पताही

पताही प्रखंड के जिहुली पंचायत स्थित पीएम श्री उच्च विद्यालय जिहुली में बुधवार को प्रसिद्ध भारतीय पुस्तकालय वैज्ञानिक डॉ. एस. आर. रंगनाथन की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को पुस्तकों के महत्व, नियमित अध्ययन और पुस्तकालय के उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अमरेंद्र कुमार ने कहा कि पुस्तकालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। पुस्तकें केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का साधन नहीं हैं, बल्कि ज्ञान, चिंतन, व्यक्तित्व और संस्कार के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में मोबाइल और इंटरनेट से जानकारी आसानी से उपलब्ध है, लेकिन पुस्तकों के नियमित अध्ययन से मिलने वाली एकाग्रता और विषय की गहराई का अपना अलग महत्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रतिदिन कुछ समय पुस्तकालय में बिताने और अपनी रुचि के अनुसार अच्छी पुस्तकों का अध्ययन करने का आह्वान किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि पढ़ने की आदत विकसित होने के बाद विद्यार्थी के लिए ज्ञान के नए रास्ते हमेशा खुले रहते हैं। उन्होंने पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में डॉ. एस. आर. रंगनाथन के योगदान को याद करते हुए विद्यार्थियों से उनके विचारों से प्रेरणा लेने की अपील की। कार्यक्रम में लाइब्रेरियन संजीव कुमार के अलावा मो. जुनैद अहमद, जमील हुसैन, अनंत बैठा, लाल बहादुर कुमार, आशुतोष गर्ग, मोजाहिर हुसैन, अपराजिता कुमारी, नेहा रानी, नीता कुमारी, सुनीता कुमारी, नंदिता कुमारी एवं काजल कुमारी सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और विद्यार्थी मौजूद रहे। इस दौरान विद्यार्थियों को नियमित रूप से पुस्तक पढ़ने का संकल्प दिलाया गया। वक्ताओं ने कहा कि एक अच्छी पुस्तक जीवन की अच्छी मित्र होती है। विद्यालय परिवार ने विद्यार्थियों में पढ़ने की संस्कृति विकसित करने तथा पुस्तकालय को अधिक उपयोगी और सक्रिय बनाने पर जोर दिया।

डीएपी नहीं देने और दुर्व्यवहार का आरोप, वीडियो वायरल

» **धान की खेती के मौसम में खाद को लेकर बढ़ी बेचैनीः हरसिद्धि इफको केंद्र के प्रबंधक पर बिना टैग डीएपी नहीं देने और ग्राहक से दुर्व्यवहार का आरोप, वीडियो वायरल**

बीएनएम@ हरसिद्धि

धान की खेती के मौसम के साथ ही खाद की उपलब्धता और वितरण को लेकर विभिन्न स्थानों से लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। कहीं खाद की कथित कालाबाजारी, कहीं निर्धारित प्रक्रिया के विपरीत बिक्री तो कहीं खाद की नेपाल तस्करी की खबरें सामने आने के बीच हरसिद्धि स्थित इफको केंद्र पर डीएपी वितरण को लेकर विवाद सामने आया है। केंद्र के प्रबंधक पर बिना टैग के डीएपी उपलब्ध नहीं कराने और एक ग्राहक के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा है। मामले से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में एक युवक इफको केंद्र के प्रबंधक से डीएपी को लेकर बातचीत करता दिखाई दे रहा है। वीडियो में युवक अपना नाम कृष्णा कुमार, ग्राम दुदही बता रहा है। उसका आरोप है कि इफको केंद्र के प्रबंधक ने बिना टैग के डीएपी देने से इनकार कर दिया। इसी दौरान दोनों के बीच कथित तौर पर बहस होती दिखाई देती है। युवक ने प्रबंधक पर उसके साथ दुर्व्यवहार करने का भी आरोप लगाया है। स्थानीय स्तर पर इफको केंद्र के प्रबंधक का नाम दुर्गेश कुमार बताया जा रहा है। हालांकि, वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं, इस संबंध में प्रबंधक का पक्ष भी अभी सामने नहीं आया है। इधर, प्रखंड कृषि पदाधिकारी राघव प्रसाद ने बताया कि युवक की ओर से मामले को लेकर आवेदन दिया गया है। आवेदन प्राप्त होने के बाद उसे उचित कार्रवाई के लिए वरीय अधिकारियों के पास भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि वरीय अधिकारियों के स्तर से मामले की जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सनद रहे कि धान की खेती के समय किसानों के लिए डीएपी और अन्य उर्वरकों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे समय में खाद की उपलब्धता, निर्धारित दर पर बिक्री और वितरण प्रक्रिया को लेकर किसी भी तरह की शिकायत किसानों के बीच चिंता बढ़ा सकती है। इधर, जिले के अलग-अलग इलाकों से खाद की कथित कालाबाजारी, अवैध रूप से बिक्री और सीमावर्ती क्षेत्रों के रास्ते नेपाल में तस्करी किए जाने की खबरें भी सामने आती रही हैं। ऐसे में हरसिद्धि इफको केंद्र पर सामने आए विवाद ने खाद वितरण की व्यवस्था और निगरानी को लेकर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

मंजूरियां वैध बनी रहेंगी

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का व्यावहारिक अर्थ है कि बिना पर्यावरण मंजूरी लिए शुरू की गईं परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने का आम रास्ता बंद किया गया है, लेकिन अनेक गलियां खुली रखी गई हैं। बिना पूर्व पर्यावरण मंजूरी के शुरू कर दी परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने के लिए 2021 में जारी ऑफिस मेमोरेंडम को रद्द करने का सुप्रीम कोर्ट का फैसला ऊपर से केंद्र और कॉरपोरेट सेक्टर के लिए भले बड़ा झटका मालूम पड़े, लेकिन असल में न्यायालय ने बीच का रास्ता निकाला है। इससे सिर्फ यह होगा कि ऐसी परियोजनाओं को सामान्य आदेश के तहत पोस्ट फैक्टो मंजूरी नहीं मिलेगी, लेकिन केंद्र हर परियोजना को अलग आदेश के जरिए मंजूरी दे सकेगा। केंद्र ने 2021 में 2017 की अधिसूचना को निष्प्रभावी बनाने के लिए ऑफिस मेमोरेंडम जारी किया था। 2017 की अधिसूचना के तहत पोस्ट फैक्टो (परियोजना शुरू होने के बाद) मंजूरी पर रोक लगी हुई थी।

अब कोर्ट ने फैसला दिया है कि 2021 के ऑफिस मेमोरेंडम के जरिए भविष्य में पोस्ट फैक्टो मंजूरियां नहीं दी जा सकेंगी, लेकिन अब तक दी जा चुकीं मंजूरियां वैध बनी रहेंगी। इस तरह लगभग 20,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को पर्यावरण संरक्षण संबंधी शर्तों से मुक्त कर दिया है। भविष्य के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि सरकार चाहे तो वैधानिक अधिसूचना या माफी (एमनेस्टी) योजना के जरिए असाधारण मामलों में पोस्ट-फैक्टो मंजूरी दे सकेगी। कोर्ट कहा है कि असाधारण या सार्वजनिक हित में पोस्ट फैक्टो मंजूरी देना हो, तो पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम-1986 की धारा 3 के तहत विधिवत अधिसूचना/ संशोधन जारी करना अनिवार्य होगा। यानी इस माध्यम से मंजूरी का रास्ता खुला रखा गया है। तीन जजों की बेंच ने यह व्यवस्था भी दी कि सुप्रीम कोर्ट का संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विशेष परिस्थितियों में पोस्ट-फैक्टो मंजूरी देने का असाधारण अधिकार सुरक्षित रहेगा। तो इस फैसले का व्यावहारिक अर्थ है कि बिना पर्यावरण मंजूरी लिए शुरू कर दी गई परियोजनाओं को बाद में हरी झंडी देने का आम रास्ता बंद किया गया है, लेकिन अनेक गलियां या पगडंडियां खुली रखी गई हैं। 2021 के ऑफिस मेमोरेंडम को पर्यावरण संरक्षण पर कॉरपोरेट हितों को तहजीह देने के सरकारी नजरिए का उदाहरण माना गया था। इस नजरिए को आगे बढने के लिए केंद्र के पास आगे भी पर्याप्त अवसर बने रहेंगे।

कभी-कभी एक शब्द भी गजब ढाता है

शंकर शरण

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने दिया था। उन के शब्दों ने हिटलर के सामने पस्त हो रहे इंग्लैंड को बल दिया। इस हद तक कि कई यूरोपीय देशों को टिके रह कर लडऩे का हौसला मिला।ज्. चर्चिल ने अंग्रेजी भाषा को बुलाया और उसे युद्धभूमि में उतार दिया। आज कम लोग याद करते हैं कि चर्चिल को 1953 में साहित्य का नोबल पुरस्कार मिला था — इतिहास और साहित्यिक लेखन, तथा उदात्त मानवीय मूल्यों की रक्षा में अद्भुत वक्तृता के लिए।ज् कला के किसी अन्य माध्यम में इतने शक्ति-संचय और प्रभाव की संभावना नहीं है।

देखें तो एक शब्द — 'कॉकरोच — ने निवर्तमान शिक्षा मंत्री के पद की बलि ले ली। चाहे इस से उन का संबंध नहीं था। पर सामाजिक क्षेत्र में प्रयोग होकर वह शब्द तीखा बन गया था।उस का जन्म हिकारत और घमंडकी भावना से हुआ था। इसलिए 'पार्टीÓ रूप में शरीर पाकर एक कोरे शब्द ने शक्ति रूप धारण कर लिया। वह बलि माँगने लगा, और परिस्थितिवश उस के सामने शिक्षा मंत्री पड़ गये! फिर उस ने कुछ ही दिनों में उन्हें अपदस्थ कर डाला। उस सरकार को हिला दिया जिसे बारह साल से कोई दल या नेता झुकाने में विफल रहा था। पर चार दिन पहले बनी कॉकरोच जनता पार्टी, जो कहीं औपचारिक दर्ज भी नहीं, ने सीधी झड़प में उसे झुकाया। यदि 'कॉकरोचÓ शब्द उस सामाजिक अर्थ में उच्चरित होकर अवतरित न हुआ होता, तो क्या भारतीय राजनीति में वह होता जो गत सप्ताह हुआ? कॉकरोच पार्टी बनाने से पहले अभिजीत दीपके एक साधारण छात्र था। वह वही बना रहता, यदि सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस ने 15 मई 2026 को इस शब्द का वैसा प्रयोग न किया होता। जिस का समाचार हजारों मील दूर दीपके ने सुनकर अपना क्षोभ व्यक्त करने के लिए उस नाम से एक व्यंग्यात्मक पार्टी बनाई। महज शाब्दिक! जैसे कॉकरोच नाम भर था, वैसे ही कॉकरोच पार्टी भी। एक एक्स (ट्विटर) मंच, जहाँ उस ने वैसे 'कॉकरोचों को इक_ा होने की अपील की। ऐसी गतिविधि सोशल मीडिया पर हजारों लोग करते रहते हैं। दुनिया भर में बड़े-बड़े सितारे, नेता, लेखक, पत्रकार ट्विटर पर कुछ न कुछ लिखते बोलते हैं और उन के लाखों फॉलोअर उसे लाइक करते हैं। उस से कुछ नहीं होता।

पर इस सामाजिक शब्द, 'कॉकरोचÓ, का जिस रूप में जन्म हुआ उस में तीखा अर्थ भरा हुआ था। चीफ जस्टिस ने 15 मई को अपनी अदालत में किंचित वितृष्णा से कहा, कुछ युवक कॉकरोच की तरह होते हैं, जिन्हें कोई रोजगार नहीं मिलता और किसी भी पेशे में उनके लिए कोई स्थान नहीं होता। उनमें से कुछ मीडिया में चले जाते हैं, कुछ आरटीआई कार्यकर्ता बन जाते हैं, और फिर वे हर किसी पर हमला करना शुरू कर देते हैं। उन की बात में सत्य का अंश था। कुछ लोग किसी बड़े व्यक्ति या संस्था को निशाना बनाकर सफल होने की तिकड़म करते ही रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दायर करना इस का एक साधन रहा है। परन्तु जिस तरह चीफ जस्टिस ने हल्के से वैसे लोगों को 'बेरोजगार युवकÓ कह दिया, वह बात एक तिक्त युवा समूह पर जाकर बैठ गई। यानी, उन भरे बैठे बेरोजगार युवकों पर जो कई तरह से योग्य होते हुए भी शासकों के भ्रष्टाचार, जातिवाद, आरक्षण, दलबंदी, स्थान की कमी, कुशिक्षा, आदि कारणों से बेकारी, और फलतः उपेक्षा व कष्ट झेलते हैं।

सो चीफ जस्टिस के उस शब्द की बराबर और विपरीत प्रतिक्रिया हुई। दूसरे दिन,16 मई को, दीपके ने उस शब्द से 'कॉकरोच जनता पार्टीÓ नाम से एक ट्विटर हैंडल बनाया। एक ही दिन में उस के उनतीस हजार फॉलोअर बन गये। चार दिन में उन की संख्या दो लाख हो गई। पाँचवें दिन सत्ताधारियों के दबाव से ट्विटर ने भारत में उस हैंडल को हटा दिया। छठे दिन, 22 मई को दीपके ने 'कॉकरोच इज बैकÓ नाम से नया हैंडल बनाकर 'कॉकरोचोंÓ द्वारा शिक्षा मंत्री का इस्तीफा माँगने का अभियान आरंभ किया, क्योंकि कई परीक्षाओं के पर्चे लीक होने से देश भर के छात्रों को बार-बार परेशानी हो रही थी। इस अनायास आह्वान ने देश के युवाओं के क्षोभ को एक रास्ता और स्वर दे दिया। जो सत्ताधारियों की लापरवाही और गैर-जबावदेही से दुःखी थे। उस दुःख को 'कॉकरोचÓ बिल्ले के क्षोभ ने एक नैतिक धार दे दी। एक तो, उन्हें देश के सत्ताधारी वितृष्णा से देखते हैं — आखिर न्यायाधीश सरकार का तीसरा अंग हैं। दूसरे, पर्चे लीक एवं शैक्षिक तंत्र की लापरवाहियों के लिए कोई जिम्मेदार नहीं! प्रधानमंत्री आए-दिन कुछ कुछ बोलते रहते हैं, पर लाखों छात्रों के साथ हो रहे अन्याय पर चुप बने रहे हैं।

फलतः यह दोहरा आक्रोश जुड़ कर दीपके द्वारा 22 मई को एक ठोस माँग में परिणत हुआ। फिर उस ने 6 जून को जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के लिए धरना शुरू किया। उस में जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी आ जुड़े। फिर उन के समर्थन में बड़े लोग बयान देने लगे। इस प्रकार, शिक्षा तंत्र में लापरवाही की जिम्मेदारी के लिए मंत्री के इस्तीफे की माँग एक भौतिक शक्ति बन गई। उस ने अन्य शक्तियों को भी आकर्षित किया। इस तरह, 15 मई को 'कॉकरोचÓ शब्द के जन्म लेने, अगले दिन उस की प्रतिक्रिया में ट्विटर पर 'कॉकरोच पार्टी बनने, वहीं 22 मई को 'कॉकरोचÓ द्वारा शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की माँग का आरंभ, फिर 6 जून से जंतर-मंतर धरना, और अंततः 25 जुलाई को शिक्षा मंत्री का इस्तीफा — यह सब मूलतः उस एक शब्द के उच्चारण से बनी गति है। चीफ जस्टिस का कहा एक शब्द अनजाने पूरी सरकार पर भारी पड़ गया। यदि वह शब्द उस रूप में उच्चरित और अवतरित न हुआ होता, तो गत दो महीने की घटनाएं शायद ही घटी होती। यह संयोग भी था। परन्तु एक शब्द की शक्ति भी, जो कभी-कभी कैसा रूप दिखा सकती है! इस से पहले भारतीय राजनीति में एक शब्द का प्रभाव छब्बीस वर्ष पहले देखा गया था। जब भाजपा के उभरते नेता गोविंदाचार्य ने 1997 में अपने सर्वोच्च नेता वाजपेई के लिए 'मुखौटाÓ शब्द का प्रयोग किया था। यद्यपि उन्होंने कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ नहीं कहा था। पर स्वयं भाजपा के बड़ों द्वारा उसे सत्य मानने से बात जमी रह गई। तब के हालात में वह शब्द सही लगता भी था। पर जल्द ही गोविंदाचार्य को भुगतना पड़ा। उन का राजनीतिक कैरियर ही खत्म हो गया। पहले उन्हें किनारे किया गया। फिर पार्टी में उन की कोई जगह न बन सकी। वरना, वे एक स्टार नेता थे। उन का व्यक्तित्व, वक्तृता, जाति, पार्टी, आयु, सब कुछ संभावनाओं से भरा था। पर उस एक शब्द प्रयोग ने उन को ग्रहण लगा दिया। सो, कभी-कभी एक शब्द भी गजब ढाता है! यह भाषा की रहस्यमय शक्ति है। यद्यपि वह अपने आप में दुर्बल है। जो चाहे इस का दुरुपयोग कर लेता है! इसीलिए कवि अज्ञेय ने भाषा को 'सभी कला माध्यमों में सबसे कमजोरÓ बताया था। जिसे आसानी से तोड़ा-मरोड़ा, भ्रष्ट किया जा सकता है! किसी साधारण या घटिया वस्तु, पर्चा, भाषण, नेता, आदि – को भी 'सर्वोत्तमÓ, 'शानदारÓ, 'महानÓ, 'ऋषिÓ, आदि कह कर धड़ल्ले से परोसा जाता है। सत्ता, धन, संगठन, प्रचार, आदि बल से लफ्फाजी रूप में भाषा का दुरुपयोग होता है। तब वह लोगों को दुष्प्रभावित कर सकती है। वैसी स्थिति में, ठगे जाते लोगों का तो क्या, भाषा अपना भी बचाव नहीं कर पाती! इस रूप में, संगीत, चित्र, आदि कला-माध्यमों की तुलना में भाषा कमजोर है। इस का सर्वाधिक दुरुपयोग होता है। दूसरे कला माध्यमों का इतना दुरुपयोग नहीं हो सकता। फिर भी, यही भाषा कभी-कभी अपने प्रयोग करने वाले को भारी चकमा भी देती है। इसलिए साहित्य ही नहीं, राजनीति में भी भाषा के प्रयोग के प्रति सावधानी रखना आवश्यक है। अपने सर्वोत्तम उदात्त रूप में भाषा लोगों को सहारा भी देती है। इस का उदाहरण द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने दिया था। उन के शब्दों ने हिटलर के सामने पस्त हो रहे इंग्लैंड को बल दिया। इस हद तक कि कई यूरोपीय देशों को टिके रह कर लडऩे का हौसला मिला। चर्चिल की इस ऐतिहासिक भूमिका को बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी ने कवित्वमय रूप में रखा थाः उन के शब्दों की प्रज्वलित शक्ति ने अपने देशवासियों के साहस को आलोकित किया। चर्चिल ने अंग्रेजी भाषा को बुलाया और उसे युद्धभूमि में उतार दिया। आज कम लोग याद करते हैं कि चर्चिल को 1953 में साहित्य का नोबल पुरस्कार मिला था — इतिहास और साहित्यिक लेखन, तथा उदात्त मानवीय मूल्यों की रक्षा में अद्भुत वक्तृता के लिए। अर्थात्, वही भाषा किसी सच्चे लेखक अथवा सामाजिक के हाथों विशिष्ट शक्ति हासिल कर लेती है। तब उस का लेखन समानांतर सरकार जैसी सत्ता बन जाता है। बड़ी-बड़ी तानाशाही उस से डरती है। वैसे लेखक को प्रतिबंधित करती, देश-निकाला देती है। जैसे सोल्झेनित्सिन, या अभी तसलीमा नसरीन। कला के किसी अन्य माध्यम में इतने शक्ति-संचय और प्रभाव की संभावना नहीं है। यह शब्द और भाषा की दोहरी स्थिति है। एक ओर सब से दुर्बल, दूसरी ओर बड़ी प्रभावशाली।

भारत में कॉकरोचों का ज्वालामुखी फूट पड़ा

हरिशंकर व्यास

नरेंद्र मोदी को समय विशेष ने भारत का प्रधानमंत्री बनाया था। अब समय ही जुलाई 2026 में बता रहा है कि उनकी एक्सपायरी के साथ संघ परिवार और हिंदू राजनीति का भी तिया-पांचा नत्थी है! कैसे? बुनियादी बात यह है कि मोदी राज ने हिंदुओं के चाल, चेहरे और चरित्र का वह खुलासा देश (अर्थात भारत की मिलेनियल, जेन-ज़ेड और अल्फा पीढ़ी) तथा दुनिया (अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन से लेकर आसियान और पड़ोसी देशों तक) के सामने ला दिया है। इसका लब्बोलुआब है कि उसकी 'चालÓ देश को पराश्रित और बिकाऊ बाजार बनाने की है, उसका 'चेहराÓ मनुष्य को कॉकरोच मानने वाला है और उसका 'चरित्रÓ नैतिकताविहीन भय, भूख और भक्ति पर टिका है। तभी हिंदुओं की मौजूदा युवा पीढ़ी और अगली पीढ़ी के बीच कथित चाल, चेहरा और चरित्र मजाक, मखौल और घृणा का विषय है। जरा मई 2025 के ऑपरेशन सिंदूर से जुलाई 2026 तक की घटनाओं पर गौर करें। क्या एक भी ऐसी घटना हुई, जिससे प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की जैविक वाहवाही हुई? सरकार ने शक्ति और जीत का जैसा जो नैरेटिव बनाया, उस पर देश-दुनिया की प्रतिक्रिया क्या थी? मोदी-शाह भले इस गलतफहमी में रहे हों कि भक्त झूम रहे हैं। 2024 के आम चुनाव में अप्रत्याशित झटके के बाद उन्होंने हरियाणा, महाराष्ट्र, बिहार, बंगाल, असम जीत लिए। भक्तों ने नगाड़ा भी बजाया। पर जितना बजाया, उससे अधिक साख बिगड़ी। हिंदू राजनीति का चाल, चेहरा और चरित्र लुढ़का। सोचें, ऑपरेशन सिंदूर के बाद विश्व राजनीति में भारत का जलवा बना या पाकिस्तान का? वैसे ही भारत में मोदी, भाजपा और संघ की हर जीत, चुनाव आयोग, संसदीय कार्यवाही, सुप्रीम कोर्ट आदि हर संस्था की साख का बैठाने वाली थी। क्या है चुनाव आयोग की अब साख? भारत के चीफ जस्टिस ने 15 मई 2026 को एक ही तो शब्द बोला था। पर भारत में कॉकरोचों का ज्वालामुखी फूट पड़ा।

यह ज्वालामुखी न शांत होना है और न खत्म। पहली बात, 35 वर्ष से नीचे की उम्र के नौजवानों की संख्या कुल आबादी में आज कोई 65 प्रतिशत है। इसमें भी 15 से 29 वर्ष की पीढ़ी (जनरेशन-ज़ेड) कोई 37 करोड़ है। इसी में फिर आगे जुडऩे वाले 15 साल से कम उम्र के बच्चों की करोड़ों की वह संख्या है जो 2029 और 2034 के आम चुनावों में वोट देगी। ये स्कूली बच्चे भी कॉकरोच आंदोलन की हवा के मीम्स की अफीम का मजा लेते हुए है।

क्या इन्हें नरेंद्र मोदी अपनी रील्स बनाकर नौकरियों की हवा बनाएगे? अच्छे दिन, पैसा बांटने, नौकरियों के प्रमाणपत्रों की झांकियों, राष्ट्रवाद और भक्तिवाद से नई और भावी पीढ़ी में जितने भ्रम बनाए थे, उनकी पूर्ति मोदी रील्स से कतई पूरी नहीं होगी? सो, मोदी-शाह और संघ ने जो कांटे बोए, जितनी तरह के झूठ बोले, उन्हीं से घर-घर ठगी का रोना है। मोदी का चेहरा अकेला सरकार, संघ परिवार की पूंजी था। मोदी ने स्वयं घर-घर मोदी, हर-हर मोदी बनाया था। वही चेहरा चेहरा अब नौजवानों का मीम है, गुस्से और गालियों का केंद्र है। मजाक, मखौल और गालियों की खान बना हैं। दूसरा कोई भी चेहरा भाजपा और संघ और स्वंय मोदी के पास नहीं है, जिसे आगे कर जिसकी सच्चाई, जिसके प्रति विश्वास से युवाओं के गले बात उतारी जा सके। न ही सरकार की किसी संस्था की धमक है और न मान। कॉकरोच भीड़ की निगाह में मोदी सरकार की हर संस्था, लोकतंत्र का खंभा अब भरोसा लायक नहीं है। सोचें, कॉकरोच, सोनम वांगचुक और अभिजीत दीपके पर। कल तक अनाम और जीरो। अचानक नौजवानों के दिल-दिमाग पर छाए, इनके बहाने ज्वालामुखी फूटा। पर बेचारे वांगचुक ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के हाथ से जूस पीया नहीं कि नौजवानों ने उनसे नाता तोड़ डाला। भाजपाई चेहरे जैसे अछूत हों! फिर संसद बैठी, तो लोकसभा में राहुल गांधी के भाषण के दौरान स्पीकर पद पर बैठे ओम बिरला का चेहरा देखा तो कॉकरोच के साथ घर-घर सोचा यह कैसा स्पीकर है।

सो, मां भारती के नाम पर संघ परिवार और भाजपाई हिंदू संस्कृति का हवाला देते हुए बुजुर्गों के सम्मान, प्रधानमंत्री की गरिमा के नाम पर नरेंद्र मोदी के मखौल को कितना ही असंस्कारी घोषित करें, लेकिन यह नया असंस्कारी भारत मोदी, संघ परिवार की ही बदौलत है। मां भारती के नाम पर झूठ बोलकर धोखा देने, राजनीति को अनैतिकताओं का कोठा बनाने, नेताओं को खरीदने-बेचने, डराने-धमकाने, किसी को पप्पू बताने, किसी को देशद्रोही, खालिस्तानी या टुकड़े-टुकड़े गैंग घोषित कर देने की नंगई ने ही युवाओं, बच्चों को जैसे को तैसी भाषा दी है। कल तक सोशल मीडिया, टीवी चैनल मोदी की ताकत है। वही सोशल मीडिया अब उनका पानीपत मैदान है। हिंदुओं की त्रासदी और मोदी व हिंदू राजनीति की एक्सपायरी है।

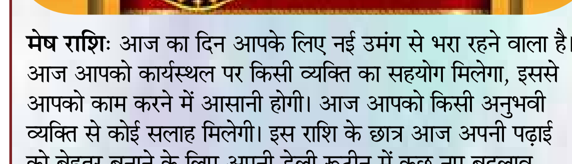

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको कार्यस्थल पर किसी व्यक्ति का सहयोग मिलेगा, इससे आपको काम करने में आसानी होगी। आज आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से कोई सलाह मिलेगी। इस राशि के छात्र आज अपनी पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए अपनी डेली रूटीन में कुछ नए बदलाव करेंगे।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। आज आप कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। आज धर्म और सामाजिक कामों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आज आप नेगेटिव व्यक्तियों से दूरी बनाकर रखें, जिससे आपके काम आसानी से पूरे हो जाएं। आज आप कुछ बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में ही व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि न लें। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का अनुभव तथा सहयोग आपके लिए बहुत अधिक लाभदायक रहेगा। आज संतान से खास खुशखबरी मिलेगी, घर में सभी लोग खुश होंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आप किसी काम को नए तरीके से करने पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जाएगा। आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनाएंगे। आज कारोबार और परिवार में बैलेंस बना रहेगा। अगर आप कोई भी काम स्टार्ट करने जा रहे हैं तो माता-पिता का आशीर्वाद लेकर ही शुरू करें।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप व्यापारिक गतिविधियों में अपने धैर्य को बनाए रखेंगे, आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नजर आएंगी। आज आप दूसरों के मामलों से दूर रहें और अपने काम के ऊपर फोकस करें। आपका मिलनसार व्यवहार सबको बहुत पसंद आएगा। शुभ अंकः 3

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं। निश्चित रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। विस्तार संबंधी योजनाओं को गंभीरता से लें। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आपको अपने काम में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा जिससे काम समय से पूरा हो जाएगा।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आप कुछ समय मनोरंजन संबंधी गतिविधियों में बिताएंगे। आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किए जा सकते हैं, जिससे आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। आज संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा। आज पिता का आशीर्वाद आप पर बना रहेगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहेगा। आज कुछ समय से चल रहे पारिवारिक वाद-विवाद निपटने से घर में सुकून और शांतिपूर्ण माहौल रहेगा तथा आप अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ध्यान दे पाएंगे। इस समय कई नई तरह की गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और उचित परिणाम मिलेंगे। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाए रखें और समय के साथ चलें।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आप अपनी भावनाओं के साथ दूसरों की भी भावनाओं का ख्याल रखेंगे। आज आप परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। आज सेहत के लिहाज से आप खुद को तंदुरुस्त महसूस करेंगे। आज आपको अटके हुए धन की प्राप्ति होगी, जिसका उपयोग आप अपने निजी कार्यों में कर सकते हैं।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज कुछ समय अपने पारिवारिक तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना संबंधों में मधुरता लाएगा। आज प्रोफेशनल कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव हो सकता है। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा, जिससे घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

मीन राशिःआज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक होंगे। आज धर्म और सामाजिक कामों में आपकी रुचि हो सकती है। आज व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आएंगे।

छत्तीसगढ़ी संस्कृति का पहला लोक-पर्व 'हरेली': प्रकृति-प्रेम, कृषि परंपरा और खेलों से सजा अनूठा तिहार

धनंजय राठौर

छत्तीसगढ़ी संस्कृति में लोक-त्योहारों की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसमें प्रकृति, कृषि और जीव-जंतुओं के प्रति गहरा सम्मान झलकता है। इन्हीं त्योहारों में सबसे पहला और प्रमुख त्यौहार है — हरेली तिहार। सावन माह की अमावस्या (हरियाली अमावस्या) को मनाया जाने वाला यह पर्व छत्तीसगढ़ के लोक-जीवन, कृषि परंपरा और पर्यावरण-प्रेम का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की पहचान सिर्फ उसकी प्रकृति नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराएँ भी हैं।

छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में पर्व और त्यौहारों की बहुलता है। प्रत्येक माह कोई न कोई त्यौहार यहाँ लोक मानस को अपने रंग में रंग लेता है। ये त्यौहार जहाँ लोक जीवन में हंसी-खुशी के अवसर उपलब्ध कराती हैं, वहीं खेल और मनोरंजन के अनुकूल साबित होते हैं। प्रकति का यह हरापन छत्तीसगढ़ के लोक जीवन में भी पूरी समाहित है। हरेली, भोजली, जँवारा हो या बसंत पंचमी सभी पर्वों में प्रकृति का मनोरम और इसका अप्रतिम सौंदर्य झलकता है। इस रूप-सौंदर्य में जीवन की चारों अवस्थाओं का उल्लास और उत्साह विविध रंगों में बिखरा हुआ है।

शायद 'हरेलीÓ का हरापन हमारी परंपराओं में हमारे संस्कारों में और हमारे लोक जीवन में प्राकृतिक हरीतिमा का ज्यादा एहसास कराता है। हरेली का यह हरापन सबके जीवन में बिखरे और निखरे यही कामना है। यह भी कामना है कि भौतिकता की चकाचौंध से परे हमारी खेल परंपराएँ जीवित रहे ताकि माटी से जुड़े ग्रामीणजन शारीरिक और मानसिक दृष्टि से सुदृढ़ रहें। माटी की सोंधी-सोंधी महक हमारे लोक गीतो से आती रहे और खेल परंपरा की यह अविरल धारा निरंतर गतिमान रहे।

1. हरेली शब्द का अर्थ और महत्व

हरेली शब्द हरियाली से बना है। सावन के महीने में जब चारों तरफ़ खेतों और मैदानों में हरी-भरी फसलें और हरियाली लहलहाने लगती है, तब किसान इस पर्व को उल्लासपूर्वक मनाते हैं। इसे छत्तीसगढ़ का पहला तिहार माना जाता है, जहाँ से राज्य के प्रमुख लोक-पर्वों की श्रृंखला शुरू होती है।

2. कृषि उपकरणों और पशुधन की पूजाः हरेली का दिन मुख्य रूप से कृषकों और कृषि से जुड़े साधनों का धन्यवाद ज्ञापित करने का दिन हैः कृषि यंत्रों की पूजाः- हरेली की जड़ें छत्तीसगढ़ क्षेत्र की कृषि विरासत में गहराई से जुड़ी हुई हैं। यह एक उत्सव होने के साथ-साथ एक आध्यात्मिक भेंट भी है, लोगों के लिए प्रकृति, बारिश और अपने कृषि कार्य को सम्पन्न करने के बाद किसान अपने औजार, हल, फावड़ा, कुदाल, कुदाली, कुम्हड़ी, बिन्धना, बसुला, हथौड़ी,

आरी,असिया, पैसुल, छूरा, खुर्पी आदि को धोकर स्वच्छ मिट्टी (मुरमी) का आसन से सजाकर किसान-किसानिन पूजा सामग्री रखकर धुले हुए चांवल आटे से हाथा लगाकर चन्दन, फूल, धुप-दीप व चीला रोटी से भोग लगाकर श्रीफल अर्पित करते हैं एवं भाव विभोर हो प्रार्थना करते हैं – 'हे बलराम रूपी हल प्रचण्ड शक्ति के प्रतीक धारापति, आपने कंधा के रूप में माता को संवारा एवं सेवा करने में हमारी सहायता की कृषि कार्य बोनी ब्यासी रोपा के होते ही चहूओर हरियाली छाई इसके लिए कोटिशः धन्यवाद आपका कार्य सम्पन्न हुआ विश्राम करे। हमने आपको बड़ा कष्ट दिया, काम लिया, हमें क्षमा करें। आपकी दया हम पर सदैव बनी रहे, इसी प्रकार अन्य औजारों का कार्यानुसार निवेदन करते गेड़ी की पूजा कर शरीर के सामर्थ पैरो की रक्षा की कामना करते हैं।

पशुधन का सत्कारः पशुधन किसानों की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत में किसान मिश्रित कृषि प्रणाली अपनाते हैं, जिसमें फसल और पशुधन का संयोजन होता है। छत्तीसगढ़ में बड़ी संख्या में लोग कम पढ़े-लिखे और अकुशल होने के कारण अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। बैल छत्तीसगढ़ कृषि की रीढ़ हैं। किसान, विशेषकर सीमांत और लघु किसान, जुताई, ढुलाई और उत्पादन और इनपुट दोनों के परिवहन के लिए बैलों पर निर्भर रहते हैं।

खेती-किसानी के सच्चे साथी यानी गाय और बैलों की विशेष सेवा की जाती है। उन्हें नहला-धुलाकर आरती उतारी जाती है तथा गहूंता (आटा, नमक और जड़ी-बूटी से बना पौष्टिक मिश्रण) खिलाया जाता है, ताकि वे रोगों से मुक्त रहें। जड़ी बुटियों से तैयार औषधि को गौठान में ले जाकर अन्डी एवं खम्हार के पत्तों में नमक, चावल या गेहूँ के गोला के साथ दवा डाल कर पशुओं को खिलाया जाता है। अरण्ड, खम्हार का पत्ता औषधि है, जो वायुजनित रोगों को दूर करता है। नमक उत्प्रेक्षण का कार्य करता है, चावल या गेहूँ के कारण दवा अधिक असरकारक बन जाती है। इससे पशु धन निरोग हो जाता है यह एक प्रकार टीकाकरण ही है।

3. परंपराएं एवं रीति-रिवाज

गेड़ी चढऩे का आनंदः- इस पर्व में गेंड़ी का काफी महत्व है बांस के मोटे डंडो एवं बांस के पहुये को विशेष विधि से कस कर बांधा जाता है। गेड़ी का उदारण हमें पुराणों में मिलता है। बलदाऊ-कृष्ण अपने सखाओं के साथ गेड़ी चढ़ा करते थे। कृष्ण लीला प्रसंग में इसका उदाहरण मिलता है तथा खेलों का आयोजन भी होते रहे हैं, जिसमें गेड़ी दौड़, पानी पिलाना, एक पैर में खड़े होना, एक पैर में कूदना आदि अनेक खेल का आयोजन प्राचीन काल से अब तक होते आ रहे हैं। बारिश के मौसम में कीचड़ और पानी से भरे रास्तों पर चलने के साधन के रूप में शुरू हुई यह परंपरा आज एक मनोरंजक खेल बन चुकी है।

विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजनः- हरेली में गाँव व शहरों में नारियल फेंक प्रतियोगिता भी होती है। सुबह पूजा-अर्चना के बाद गाँव के चौक-चौराहों पर युवाओं की टोली जुटती है और नारियल फेंक प्रतियोगिता का आयोजन की जाती है। नारियल हारने और जीतने का यह सिलसिला देर रात तक चलता है। गाँव-गाँव में गेड़ी दौड़ का आयोजन होता है। कहीं खो-खो तो कहीं फुगड़ी, कहीं बिल्लस, कहीं अत्ती-पत्ती, डंडा पचरंगा खेल का आयोजन होते आ रहे हैं। गाँव का गौठान हो या स्कूल का मैदान, गाँव के बाहर सड़क हो या चौबट्टा लगता है सारे लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सजे रहते हैं।

टोटका और सुरक्षा का विधानः- मान्यतानुसार, इस दिन गाँव को बुरी नज़र और रोगों से बचाने के लिए घर के मुख्य दरवाजों पर नीम की पत्तियाँ बांधी जाती हैं। लोहार द्वारा घरों के चौखट पर नीम की शाखाएं और लोहे की कीलें लगाई जाती हैं। स्थानीय मान्यता है कि इससे घर को बुरी शक्तियों और बीमारियों से सुरक्षा मिलती है। यह प्रथा नीम के ज्ञात औषधीय गुणों और ग्रामीण स्वास्थ्य संबंधी पारंपरिक मान्यताओं में इसकी भूमिका से प्रेरित है।

हरेली तिहार में बनाए जाने वाले व्यंजनः- मुख्य रूप से गुड़ के चीला, अईरसा, चौसेला और बोबरा जैसे पारंपरिक पकवान बनाए और बांटे जाते हैं। गुलगुला भजिया, गुड़हा चीला, सोहारी, बड़ा, ठेठरी, खुरमी और बोबरा जैसे पारंपरिक छत्तीसगढ़ी पकवान बनाए जाते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20: क्लासेन, मिलर गल्फ जायंट्स से जुड़े, ओमरजई और मुजारबानी की भी वापसी

एजेंसी, दुबई

दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन और डेविड मिलर डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र के लिए गल्फ जायंट्स से जुड़ गए हैं। दोनों को फ्रेंचाइजी ने नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रूप में शामिल किया है। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह ओमरजई और जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी भी आगामी सत्र के लिए टीम में वापसी करेंगे। डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 का पांचवां सत्र 22 नवंबर से 20 दिसंबर तक खेला जाएगा। गल्फ जायंट्स ने 2023 में टूर्नामेंट का पहला खिताब जीता था और अब टीम दूसरी बार चैंपियन बनने के लक्ष्य के साथ मैदान में उतरेगी। गल्फ जायंट्स के मुख्य कोच साइमन हेलमोट ने फ्रेंचाइजी की ओर से जारी एक बयान में नए खिलाड़ियों का स्वागत

करते हुए कहा, "हम डेविड और हेनरिक का गल्फ जायंट्स परिवार में स्वागत करके बेहद खुश हैं और अजमतुल्लाह तथा ब्लेसिंग को भी वापस ला रहे हैं। ये विश्वस्तरीय खिलाड़ी और मैच जिताने वाले क्रिकेटर हैं, जो हमारी टीम में काफी गुणवत्ता और गहराई जोड़ेंगे। हमने एक मजबूत आधार तैयार किया है और खिलाड़ी नीलामी के जरिए हमारे पास सत्र पांच की तैयारी के लिए टीम को पूरा करने का एक और अवसर होगा।" दुनिया के बेहतरीन फिनिशरों में शामिल डेविड मिलर के पास टी-20 क्रिकेट का लंबा अनुभव है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट मिलाकर 571 टी-20 मुकाबलों में 12 हजार से अधिक रन बनाए हैं। मिलर 2022 में गुजरात टाइटंस की आईपीएल खिताबी जीत के अभियान का भी अहम हिस्सा रहे थे। दक्षिण अफ्रीका के ही विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन भी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने 294 टी-20 मुकाबलों में 6,900 से अधिक रन बनाए हैं। क्लासेन डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के पांचवें सत्र में पहली बार इस लीग में खेलेंगे। अजमतुल्लाह ओमरजई ने पिछले सत्र में गल्फ जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने 10 मैचों में 233 रन बनाने के साथ 12 विकेट भी हासिल किए थे। उनके प्रदर्शन को देखते हुए टीम ने उन्हें अगले सत्र के लिए भी बरकरार रखा है। वहीं, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजारबानी चोट के कारण पिछले सत्र में नहीं खेल सके थे। गल्फ जायंट्स के साथ 2023 में जुड़ने के बाद से उन्होंने 17 मैचों में 22 विकेट लिए हैं। 2024-25 सत्र में वह टीम के सबसे सफल गेंदबाज रहे थे और 10 मैचों में 16 विकेट हासिल किए थे।

मयंक डागर ने की सार्थक रंजन की तारीफ, जिस तरह हमारे कप्तान खेल रहे हैं, वह शानदार है

एजेंसी, नई दिल्ली

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में मंगलवार को वेस्ट दिल्ली लायंस को आठ विकेट से हराकर शानदार जीत दर्ज की। टीम की जीत में गेंदबाज मयंक डागर और कप्तान सार्थक रंजन की अहम भूमिका रही। जीत के बाद डागर ने कहा, "यह हमारे लिए बेहद शानदार और एकतरफा जीत थी। हमने गेंदबाजी में उन्हें कम स्कोर पर रोका और फिर लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।" उन्होंने टीम के संतुलन की तारीफ करते हुए कहा, "हमारा संयोजन बहुत अच्छा है। हर खिलाड़ी को अपनी भूमिका पता

है और टीम में यह सबसे महत्वपूर्ण चीज है। हम सभी के बीच तालमेल बहुत अच्छा चल रहा है। अगर आप हमारी बल्लेबाजी देखें तो हमारे मध्यक्रम और निचले मध्यक्रम को अभी तक बल्लेबाजी करने का मौका ही नहीं मिला है। यह अच्छी बात है क्योंकि हमारे शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जिम्मेदारी ले रहे हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।" डागर ने कप्तान सार्थक रंजन की शानदार फॉर्म की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "जिस तरह हमारे कप्तान खेल रहे हैं, वह शानदार है। हमने अंडर-16 और अंडर-19 स्तर से काफी क्रिकेट साथ खेली है। इसलिए मैंने उन्हें एक खिलाड़ी और एक इंसान के तौर पर आगे बढ़ते हुए देखा है। वह वास्तव में इस अवसर के हकदार हैं।" डागर ने मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 14 रन देकर दो विकेट लिए। अपनी खास विकेट सेलिब्रेशन के बारे में उन्होंने बताया कि यह फुटबॉल स्टार पॉल पोग्बा से प्रेरित है। उन्होंने कहा, "यह वास्तव में पॉल पोग्बा से प्रेरित है। जब मैंने पहली बार फुटबॉल देखना शुरू किया था, तब मैंने उन्हें यह सेलिब्रेशन करते देखा था और मुझे यह काफी पसंद आया। इसलिए मैंने आज इसे करने का फैसला किया।"

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई प्लेइंग इलेवन घोषित, हेजलवुड की वापसी

एजेंसी, डार्विन

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 13 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा कर दी है। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की टीम में वापसी हुई है, जबकि स्कॉट बोलैंड को अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाजी की तिकड़ी पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और हेजलवुड एक बार फिर साथ नजर आएगी। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने टेस्ट की पूर्व संध्या पर पुष्टि की कि बोलैंड पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। हेजलवुड करीब

आठ महीने बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। स्पिन गेंदबाज नाथन लियोन भी टीम में लौटे हैं। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह एशेज के अंतिम चरण में नहीं खेल पाए थे। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन ने अपनी जगह बरकरार रखी है और उनके साथ ब्यू वेबस्टर भी टीम में शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार दो तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों के साथ उतरने का फैसला किया है। बोलैंड ने पिछली गर्मियों में एशेज श्रृंखला के सभी पांच टेस्ट खेले थे। उस दौरान कमिंस, हेजलवुड और लियोन के अलग-अलग समय पर उपलब्ध नहीं रहने के कारण उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, आने वाले व्यस्त कार्यक्रम में बोलैंड ऑस्ट्रेलिया की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। अगले 12 महीनों में ऑस्ट्रेलिया के 21 टेस्ट तक खेलने की संभावना है। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला का पहला मुकाबला 13 से 17 अगस्त तक डार्विन के मरारा स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 22 से 26 अगस्त तक मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में होगा। यह श्रृंखला आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र का हिस्सा है। अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया दूसरे और बांग्लादेश चौथे स्थान पर है।

ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन : जेक वेदराल्ड, ट्रेविस हेड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, ब्यू वेबस्टर, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस (कप्तान), नाथन लियोन और जोश हेजलवुड।

बांग्लादेश की टीम : नजमुल हुसैन शांतो (कप्तान), मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), सौम्य सरकार, शादमान इस्लाम, तंजिद हसन तमीम, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, लिटन दास, अमीट हसन, जाकेर अली, तैजुल इस्लाम, तस्कीन अहमद, हसन महमूद, सैयद खालिद अहमद, एबादत हुसैन चौधरी और मुशफिक हसन।

कनाडा ओपन: नाओमी ओसाका को हराकर एलेना रायबाकिना सेमीफाइनल में

एजेंसी, मॉन्ट्रियल

दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी कजाखस्तान की एलेना रायबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए जापान की नाओमी ओसाका को तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराकर कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ओसाका ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की और रायबाकिना की मैच की पहली ही सर्विस गेम में ब्रेक हासिल कर लिया। अगले गेम में रायबाकिना के पास वापसी का मौका था, लेकिन ओसाका ने तीन ब्रेक प्वाइंट बचाते

हुए अपनी सर्विस बरकरार रखी। इसके बाद रायबाकिना पूरे सेट में एक भी ब्रेक प्वाइंट हासिल नहीं कर सकीं और ओसाका ने पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। रायबाकिना ने दूसरे सेट में अपनी लय हासिल की। हालांकि वह शुरुआती तीन सर्विस गेम में से दो में अपनी सर्विस गंवा बैठीं, लेकिन ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन ने भी दो बार ओसाका की सर्विस तोड़ी और मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया। रायबाकिना ने टाईब्रेक 7-5 से जीतकर मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट में मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। रायबाकिना जब 2-3 से पीछे थीं और उनकी सर्विस पर तीन ब्रेक प्वाइंट थे, तब उन्होंने शानदार धैर्य दिखाया। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने कुल चार ब्रेक प्वाइंट बचाकर अपनी सर्विस कायम रखी और मुकाबले की दिशा बदल दी।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में आरडी इंडस्ट्रीज की मजबूत शुरुआत, फायदे में रहे आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

लेड और लेड एलॉय के प्रोडक्ट्स तैयार करने और उनकी रिसाइक्लिंग करने का काम करने वाली कंपनी आरडी इंडस्ट्रीज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 53 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 38.87 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 73.60 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 35.85 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 72 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 73.60 रुपये के स्तर तक पहुंचा। हालांकि, बाद में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इसने 65.77 रुपये के स्तर तक गोता भी लगाया। बाजार में पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद कंपनी के शेयर 67.45 रुपये के स्तर पर बने हुए थे। इस तरह पहले दिन के कारोबार के बाद कंपनी के आईपीओ निवेशक प्रति शेयर 14.45 रुपये यानी 27.26 प्रतिशत के फायदे में थे। आरडी

इंडस्ट्रीज का 425.87 करोड़ रुपये का आईपीओ पांच से सात अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से धांसू रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 138.83 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 202.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 266.75 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 47.77 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत दो रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 8,03,52,358 शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 320 करोड़ रुपये के 6,03,77,358 नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि लगभग 106 करोड़ रुपये के 1,99,75,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। आरडी इंडस्ट्रीज की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 8.95 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 33.27 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 84.68 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 463.39 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 743.53 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 1,168.88 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 142.36 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 165.77 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

जीवी इलेक्ट्रिकल्स की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

पावर डिस्ट्रिब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काम करने वाली कंपनी जीवी इलेक्ट्रिकल्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में अपने कारोबार की मजबूत शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 130 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 21.54 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 158 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में ये शेयर कुछ देर के लिए गिर कर 154 रुपये तक आए, लेकिन इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। लगातार हुई लिवाली के कारण दिन के पहले सत्र में ही ये शेयर उछल कर 165.90 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 35.90 रुपये यानी 27.62 प्रतिशत का फायदा हो गया। जीवी इलेक्ट्रिकल्स का 42 करोड़ रुपये का आईपीओ 31 जुलाई से सात अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 169.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 91.55 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 272.79 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 168.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 32.50 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इसमें 39 करोड़ रुपये के 30 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं, जबकि तीन करोड़ रुपये के 2.50 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयर के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। जीवी इलेक्ट्रिकल्स की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.80 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4.66 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्थ लाभ उछल कर 10.47 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 112.03 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 131.36 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2025-26 में उछल कर 156.66 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी लगातार वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 4.95 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 7.84 करोड़ रुपये और 2025-26 में 16.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में ये 17.01 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 23.16 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2025-26 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस उछल कर 25.39 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमॉर्टाइजेशन) 2023-24 में 6.14 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2024-25 में बढ़ कर 8.04 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2025-26 में कंपनी का ईबीआईटीडीए 17.05 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली तेजी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल ऊपर-नीचे होने लगी। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 109.08 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 78,263.33 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते

ही लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली का दबाव बनने पर सेंसेक्स अपनी मजबूती गंवा कर ओपनिंग लेवल से लगभग 480 अंक से अधिक टूट कर लाल निशान में 77,784.04 तक पहुंच गया। वहीं खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर यह सूचकांक रिकवर कर कुछ देर के लिए 78,118.90 तक भी पहुंचा। हालांकि यह रिकवरी जारी नहीं रह सकी। बाजार में बिकवाली का दबाव दोबारा बन जाने के कारण इस सूचकांक की कमजोरी बढ़ती चली गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 358.17 अंक टूट कर 77,796.08 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। एनएसई के निफ्टी ने आज 0.75 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 24,472.45 अंक के स्तर से आज के कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद इस सूचकांक की चाल में उतार-चढ़ाव होने लगा।

सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च हुआ शिपरॉकेट का आईपीओ, 14 अगस्त तक लगा सकते हैं बोली

एजेंसी, नई दिल्ली । एसएमई और बड़े रिटेलर्स को ई-कॉमर्स सॉल्यूशन मुहैया कराने वाली कंपनी शिपरॉकेट का 1,617.48 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 14 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 18 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 19 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद दोपहर 02 बजे तक इस आईपीओ को 62 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 92 रुपये से लेकर 97 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 154 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 154 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,938 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स 1,94,194 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 2,002 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 16,67,61,566 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 885 करोड़ रुपये के 9,12,99,203 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 732 करोड़ रुपये के 7,54,62,363 शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

सर्राफा बाजार में उछला सोना, चांदी ने भी लगाई बड़ी छलांग

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 1,720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,870 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने की कीमत 2,020 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,210 रुपये प्रति 10 ग्राम तक बढ़ गई है। इसके अलावा सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी ने भी आज 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की छलांग लगाई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज

1,53,830 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,41,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,41,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,55,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,53,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,53,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,53,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

बॉक्स ऑफिस पर 'स्पाइडर-मैन ने दसवें दिन गाड़े झंडे, 'द ओडिसी और 'धमाल 4 ने भी किया अच्छा कारोबार

सिनेमाघरों में इस समय कई बड़ी फिल्मों के बीच बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला देखने को मिल रहा है। 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे, 'द ओडिसी, 'जीडीएन, 'धमाल 4 और 'ओह माय डॉग जैसी फिल्में दर्शकों का मनोरंजन कर रही हैं। शनिवार को सबसे ज्यादा चर्चा 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे की रही, जिसने शानदार कारोबार करते हुए 31 करोड़ रुपये की कमाई की।

फिल्म कारोबार के आंकड़े उपलब्ध कराने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे ने शनिवार को 31 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया। फिल्म को देशभर में 13,482 शो मिले और इसकी दर्शक उपस्थिति 68.4 प्रतिशत रही। फिल्म का कुल शुद्ध कारोबार 380.75 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि सकल कारोबार 455.33 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। फिल्म के दिनवार कारोबार पर नजर डालें तो 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे ने पहले दिन 60.60 करोड़ रुपये कमाए थे। दूसरे दिन 49.35 करोड़, तीसरे दिन 70.25 करोड़, चौथे दिन 77.25 करोड़, पांचवें दिन 23.80 करोड़, छठे दिन 21.75 करोड़, सातवें दिन 17 करोड़, आठवें दिन 14.25 करोड़ और नौवें दिन 15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दसवें दिन फिल्म ने फिर जोरदार वापसी करते हुए 31 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म का निर्देशन डेस्टिन डेनियल क्रेटन ने किया है। इसमें टॉम हॉलैंड, जेंडाया, सैडी सिंक, जैकब बैटालोन, जॉन बर्नथल, मार्क रफैलो और ट्रामेल टिलमैन प्रमुख भूमिकाओं में हैं। दर्शकों के बीच फिल्म को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी भी बॉक्स ऑफिस पर मजबूत स्थिति में बनी हुई है। शनिवार को फिल्म ने 4.25 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया, जबकि सकल कारोबार 4.77 करोड़ रुपये रहा। फिल्म को 733 शो मिले और इसकी दर्शक उपस्थिति 63.6 प्रतिशत दर्ज की गई। फिल्म का भारत में कुल शुद्ध कारोबार 165.40 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म में मैट डैमन और टॉम हॉलैंड मुख्य भूमिकाओं में हैं। नोलन के निर्देशन में बनी इस फिल्म को दर्शकों की ओर से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

अजय देवगन और अरशद वारसी अभिनीत 'धमाल 4 का बॉक्स ऑफिस सफर भी जारी है। शनिवार को फिल्म ने 85 लाख रुपये का कारोबार किया। फिल्म को 1,593 शो मिले और इसकी दर्शक उपस्थिति 17 प्रतिशत रही।

'धमाल 4 का भारत में कुल शुद्ध कारोबार 164.75 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि सकल कारोबार 195.69 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। दुनियाभर में फिल्म 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है। फिल्म का वैश्विक कारोबार 226.54 करोड़ रुपये और विदेशों में कारोबार 30.85 करोड़ रुपये बताया गया है।

इंदर कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, अरशद वारसी, रवि किशन, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी, संजीदा शेख और अंजलि आनंद प्रमुख भूमिकाओं में हैं। हास्य और मनोरंजन से भरपूर इस फिल्म को दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। आर. माधवन की फिल्म 'जीडीएन की शुरुआत बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक मजबूत नहीं रही है। 7 अगस्त को रिलीज हुई इस फिल्म के तेलुगु संस्करण ने पहले दिन 7 लाख रुपये और दूसरे दिन 9 लाख रुपये का कारोबार किया।

वहीं, तमिल संस्करण ने पहले दिन 46 लाख रुपये और शनिवार को दूसरे दिन 84 लाख रुपये का कारोबार किया। फिल्म का कुल सकल कारोबार 1.63 करोड़ रुपये और शुद्ध कारोबार 1.46 करोड़ रुपये रहा। कृष्णकुमार रामकुमार के निर्देशन में बनी 'जीडीएन में आर. माधवन के साथ सत्यराज, जयराम, प्रियामणि और दुशारा विजयन प्रमुख भूमिकाओं में हैं। 'ओह माय डॉग ने भी शनिवार को अपने कारोबार में बढ़ोतरी दर्ज की। फिल्म ने दूसरे दिन 1.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि पहले दिन इसकी कमाई 90 लाख रुपये रही थी। फिल्म का भारत में कुल सकल कारोबार 2.40 करोड़ रुपये और शुद्ध कारोबार 2 करोड़ रुपये हो गया है। अमित राय के निर्देशन में बनी इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी मुख्य भूमिका में हैं। माही राय और पवन मल्होत्रा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

फिल्म की कहानी इंसान और कुत्तों के बीच बने भावनात्मक रिश्ते और जुड़ाव को केंद्र में रखती है। शनिवार के कारोबार के आंकड़ों को देखें तो 'स्पाइडर-मैनः ब्रांड न्यू डे ने अन्य फिल्मों के मुकाबले स्पष्ट बढ़त बनाई है। 'द ओडिसी और 'धमाल 4 भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफल रही हैं, जबकि 'जीडीएन और 'ओह माय डॉग की कमाई फिलहाल अपेक्षाकृत धीमी है। आने वाले दिनों में इन फिल्मों के कारोबार से यह साफ होगा कि दर्शकों की पसंद में कौन सी फिल्म लंबे समय तक अपनी पकड़ बनाए रखती है।

भारत भाग्य विधाता ओटीटी पर आने को तैयार, निर्माताओं ने बताई स्ट्रीमिंग तारीख

कंगना रनौत की फिल्म भारत भाग्य विधाता डिजिटल प्लेटफॉर्म का रुख करने जा रही है। 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान कामा अस्पताल में नर्सों की जांबाजी पर आधारित ये फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में आई थी, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इसने वर्ल्डवाइड सिर्फ 8.32 करोड़ रुपये कमाए थे और एक फ्लॉप फिल्म साबित हुई थी। रिलीज के लगभग 2 महीने पूरे करने के बाद, भारत भाग्य विधाता ओटीटी पर आने के लिए तैयार है। मनोज तापडिया द्वारा निर्देशित भारत भाग्य विधाता का प्रीमियर जी5 पर होगा। निर्माताओं ने फिल्म का प्रोमो जारी करते हुए लिखा, 26/11 की सबसे काली रात में असाधारण साहस दिखाने वाली साधारण नर्सों की अनकही कहानी। कुछ नायकों को कभी देखा ही नहीं गया। उनकी कहानियां कभी बताई ही नहीं गईं। भारत भाग्य विधाता का प्रीमियर 14 अगस्त को जी5 पर होगा। फिल्म में कंगना के अलावा, गिरिजा ओक, स्मिता तांबे और जाहिद खान समेत कई कलाकार मौजूद हैं।

मृणाल ठाकुर का बॉस लेडी अवतार ओवरसाइज़्ड पैंटसूट और स्नीकर्स लुक ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर जब भी कोई नया लुक शेयर करती हैं, तो फैंस का दिल धड़कना तय है। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें उनका बॉस लेडी अवतार इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। मृणाल का यह पावर-पैक और ग्लैमरस स्टाइल स्टेटमेंट फैशन लवर्स के लिए एक परफेक्ट इंस्पिरेशन बन गया है। मृणाल ने इस फोटोशूट के लिए क्लासिक बेज शेड का पिनस्ट्राइप ओवरसाइज़्ड पैंटसूट चुना है। उन्होंने ढीला-ढाला ओवरसाइज़्ड ब्लेजऱ पहना है, जिसकी स्लीव्स को थोड़ा ऊपर करके एक कैजुअल लेकिन बॉसी टच दिया गया है। इसके साथ मैचिंग वाइड-लेग ट्राउजऱ बेहद कम्फर्टेबल और ट्रेंडी लग रहा है। ब्लेजऱ के अंदर मृणाल ठाकुर ने सैटिन-लेस नेकलाइन वाला कैमिसोल पेयर किया है, जो पूरे लुक में एक बोल्ड और फेमिनिन टच जोड़ता है। अपने इस फॉर्मल-कैजुअल फ्यूजन को कंप्लीट करने के लिए मृणाल ने हील्स के बजाय ऑनिटसुका टाइगर स्टाइल के व्हाइट और ब्लू स्नीकर्स पहने हैं, जो उनके लुक को एकदम कूल और ट्रेंडी बनाते हैं। मृणाल का मेकअप और एक्सेसरीज़ उनके लुक को और भी निखार रहे हैं। उन्होंने गले में एक यूनीक गोल्डन बम्बू-स्टाइल चोकर नेकपीस पहना है और हाथों में स्टेटमेंट गोल्ड रिंग्स फ्लॉन्ट की हैं। न्यूड मेकअप टोन, विंग्ड आईलाइनर, गालों पर हल्का ब्लश और ग्लोसी न्यूड-पिंक लिपस्टिक उनके फेशियल फीचर्स को परफेक्टली हाईलाइट कर रहे हैं। तस्वीरों में मृणाल की खूबसूरती और कॉन्फिडेंस देखते ही बनता है। मृणाल का इंटेंस लुक और कैमरे की तरफ देखना फैंस को दीवाना बना रहा है। उनके चेहरे का ग्रेस और बोल्ड एटीट्यूड हर फ्रेम को खास बना रहा है। मृणाल ठाकुर का यह न्यूड पैंटसूट लुक साबित करता है कि पावर ड्रेसिंग में भी एलिगेंस और ग्लैमर का तड़का कैसे लगाया जाता है।

फैशन इंस्पिरेशन : बेज पैंटसूट में मृणाल ठाकुर का 'बॉस लेडी' अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर अपने नए लुक से इंटरनेट पर छा गई हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर बेज शेड के ओवरसाइज़्ड पिनस्ट्राइप पैंटसूट में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं। मृणाल ने ढीले ब्लेजऱ के साथ सैटिन-लेस कैमिसोल और मैचिंग वाइड-लेग ट्राउज़र पेयर किया है। इस लुक को कूल टच देने के लिए उन्होंने हील्स छोड़कर व्हाइट और ब्लू स्नीकर्स चुने। गले में गोल्डन बम्बू-स्टाइल चोकर और मिनिमल न्यूड मेकअप उनके इस बॉसी स्टाइल को और भी आकर्षक बना रहा है। एलिगेंस और कॉन्फिडेंस का यह फॉर्मल-कैजुअल फ्यूजन फैशन लवर्स को बेहद पसंद आ रहा है।

अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में अभिनेत्री श्रद्धा कपूर का नया दांव निर्माता बनकर कमाएंगी मुनाफा ?

श्रद्धा कपूर फीस के बजाय ले सकती हैं आईपी राइट्स में हिस्सेदारी

भारतीय उद्यमी अशनीर ग्रोवर की आगामी बायोपिक को लेकर बॉलीवुड गलियारों में काफी चर्चा है। फिल्म में अशनीर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर की भूमिका के लिए अभिनेत्री श्रद्धा कपूर का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। शुरुआती खबरों के अनुसार, इस किरदार के लिए उन्हें लगभग 20 करोड़ रुपये की भारी-भरकम फीस ऑफर की गई थी। हालांकि, अब इस प्रोजेक्ट को लेकर एक नया और दिलचस्प अपडेट आया है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक, श्रद्धा कपूर पारंपरिक एकमुश्त फीस लेने के बजाय फिल्म में सह-निर्माता के रूप में जुड़ने पर विचार कर रही हैं। यदि बातचीत सफल रहती है, तो वह फिल्म के इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी (आईपी) राइट्स और बॉक्स ऑफिस मुनाफे में हिस्सेदारी ले सकती हैं। आज के दौर में बड़े सितारे एकमुश्त पारिश्रमिक के बजाय इस तरह के बिजनेस मॉडल को ज्यादा तरजीह दे रहे हैं, जिससे उन्हें फिल्म की सफलता का सीधा फायदा मिलता है। इस बायोपिक का लेखन और निर्देशन उद्यमी-पटकथा लेखक राहुल मोदी कर रहे हैं। दूसरी ओर, श्रद्धा कपूर अपनी अगली फिल्म 'ईथा' को लेकर भी सुर्खियों में हैं, जो लावणी कलाकार विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर के जीवन पर आधारित है। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन और मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म के लिए अभिनेत्री ने भारी फीस ली है।

श्रद्धा कपूर को लेकर पिछले दिनों खबर आई थी कि वह भारतीय उद्यमी अशनीर ग्रोवर की बायोपिक में शामिल होंगी। रिपोट्‌र्स में दावा किया गया कि उन्हें ग्रोवर की पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर का किरदार निभाते देखा जाएगा। इसके लिए उन्हें करीब 20 करोड़ रुपये की पेशकश की गई है। ताजा अपडेट है कि श्रद्धा इस परियोजना के निर्माताओं में से एक बनने और फिल्म के बौद्धिक संपदा अधिकारों में हिस्सेदारी लेने का रास्ता चुन सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा निर्माता के तौर पर अशनीर की बायोपिक का क्रेडिट ले सकती हैं और फिल्म के बौद्धिक संपदा अधिकारों में हिस्सेदारी हासिल कर सकती हैं। इससे उन्हें फीस एडवांस शुल्क के रूप में लेने के बजाय फिल्म के प्रदर्शन से लाभ उठाने का मौका मिलेगा। ये मुनाफा कमाने का एक तरीका है, जिसे बड़े-बड़े अभिनेता चुन रहे हैं। इसके जरिए ये अभिनेता एकमुश्त बड़ी फीस लेने के बजाय फिल्म में हिस्सेदारी लेते हैं। बायोपिक को उद्यमी-पटकथा लेखक राहुल मोदी लिख और निर्देशित कर रहे हैं, जो कथित तौर पर श्रद्धा के साथ अपने रिश्ते को लेकर चर्चा बटोरते हैं। फिलहाल, श्रद्धा इस वक्त अपनी आगामी फिल्म ईथा को लेकर चर्चा में हैं, जिसके लिए उन्होंने 12 करोड़ से 15 करोड़ रुपये के बीच फीस वसूली है। दिनेश विजान के मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है, जो लावणी और तमाशा कलाकार विथाबाई भाऊ मांग नारायणगांवकर की बायोपिक है।

लाल लिपस्टिक का इतिहास जानकर हैरान रह जाएंगी आप

आजकल कई महिलाएं लाल लिपस्टिक का इस्तेमाल करती हैं। यह न केवल उन्हें आत्मविश्वास देती है, बल्कि उनके लुक में भी चार चांद लगा देती है। हालांकि, क्या आप जानती हैं कि लाल लिपस्टिक का इतिहास कितना पुराना और दिलचस्प है? प्राचीन मिस्र से लेकर आज के फैशन तक, लाल लिपस्टिक ने कई बदलाव देखे हैं। आइए जानते हैं कि लाल लिपस्टिक के पीछे की कहानी क्या है और यह कैसे एक फैशन आइकन बन गई।

प्राचीन मिस्र में लाल लिपस्टिक का उपयोग आम था। क्लियोपेट्रा जैसी राजकुमारियों ने इसे अपने चेहरे को सजाने के लिए इस्तेमाल किया था। इस लाल रंग को बनाने के लिए वे कीटाणु, कीड़े और पौधों के हिस्सों का उपयोग करती थीं। यह रंग न केवल उनके चेहरे को सुंदर बनाता था, बल्कि इसे धूप और अन्य मौसम की मार से भी बचाए रखने में मदद करता था। यह लाल रंग उनके सामाजिक स्थान को भी दर्शाता था। मध्यकालीन यूरोप में था लाल लिपस्टिक का विरोधः मध्यकालीन यूरोप में लाल लिपस्टिक का उपयोग महिलाओं के लिए मुश्किल भरा था। धार्मिक नेताओं ने इसे शैतानी जादू मानकर इसका विरोध किया और इसे पहनने वालों को सजा देने तक की धमकी दी। इसके बावजूद कई महिलाएं इसे अपना आकर्षण बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करती थीं। इस समय लाल लिपस्टिक को सामाजिक स्थिति और आकर्षण का प्रतीक माना जाता था, जिससे इसे पहनने वाली महिलाओं को सम्मान मिलता था। विक्टोरियन युग में लाल लिपस्टिक का उपयोग अधिक प्रचलित हो गया था, लेकिन इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया जाता था। महिलाएं इसे छिपकर लगाती थीं, ताकि समाज की नजर न पड़े। इस समय तक लाल लिपस्टिक बनाने के लिए प्राकृतिक सामग्रियों का उपयोग किया जाता था, जैसे कि गुलाब की पंखुडिय़ां और मोम। विक्टोरियन महिलाओं ने इसे आकर्षण बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया, भले ही उन्हें इसके लिए सामाजिक आलोचना का सामना करना पड़ा हो।

20वीं सदी में बढ़ी लाल लिपस्टिक की प्रसिद्धिः 20वीं सदी में लाल लिपस्टिक ने आधुनिक रूप धारण किया, जब अमेरिकी व्यवसायी एलिजाबेथ आर्डेन ने इसे बाजार में पेश किया। उन्होंने इसे छोटे ट्यूब में पैक किया, ताकि महिलाएं आसानी से इस्तेमाल कर सकें। इसके बाद कई ब्रांड ने भी इस उत्पाद को अपने संग्रह में शामिल किया। इस दौरान लाल लिपस्टिक ने महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ावा देने और उन्हें स्वतंत्रता का अहसास कराने में अहम भूमिका निभाई।

आजकल लाल लिपस्टिक का उपयोग कैसे किया जाता है?

आजकल लाल लिपस्टिक कई प्रकारों में उपलब्ध है, जिसमें मैट, क्रीमी और ग्लॉसी फिनिश शामिल हैं। ये न केवल लंबे समय तक टिकती हैं, बल्कि त्वचा को पोषण देने वाले तत्व भी प्रदान करती हैं। अब लाल लिपस्टिक केवल सौंदर्य उत्पाद नहीं, बल्कि एक फैशन स्टेटमेंट बन चुकी है, जो हर महिला की मेकअप किट का अहम हिस्सा है। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि लाल लिपस्टिक का सफर कितना रोमांचक और प्रेरणादायक रहा है।

हैवान का टीजर लेकर आएंगे अक्षय कुमार और सैफ अली खान, आई रिलीज तारीख

अक्षय कुमार और सैफ अली खान की आगामी फिल्म हैवान का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। पिछले महीने अभिनेता ने सोशल मीडिया पर ऐलान किया था कि उनकी ये फिल्म सितंबर, 2026 को रिलीज होगी। तब से फैंस इससे जुड़े अपडेट जानने के लिए उत्सुकत हैं। खबर है कि निर्माता हैवान का टीजर रिलीज करने की पूरी तैयारी कर चुके हैं। यह भी पता चल चुका है कि इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कब तक रिलीज किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, हैवान का टीजर 12 अगस्त, 2026 को आधिकारिक तौर पर रिलीज होगा, जिससे दर्शकों को इस बहुप्रतीक्षित परियोजना की पहली झलक देखने को मिलेगी। इससे पहले, अक्षय ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ पोस्टर जारी किए थे, जो लोगों के बीच पहले ही काफी चर्चा बटोर चुके हैं, क्योंकि लंबे वक्त के बाद अक्षय और सैफ एक साथ स्क्रीन साझा करेंगे। आखिरी बार दोनों को 2008 में आई फिल्म टशन में देखा गया था। हैवान में अक्षय और सैफ के अलावा कई प्रभावशाली कलाकारों की टोली भी मौजूद है। इसमें श्रिया पिलगांवकर, सैयामी खेर, बोमन ईरानी और जिस्सू सेनगुप्ता महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं। वहीं मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल कैमियो करते दिखेंगे, क्योंकि ये उन्हीं की फिल्म ओप्पम (2016) का रीमेक है। केवीएन प्रोडक्शंस और थेस्पियन फिल्म्स के बैनर तले वेंकट के नारायण और शैलजा देसाई फेन द्वारा निर्मित, यह फिल्म अगले महीने 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

BRIFF NEWS

In RSS overseas outreach Mohan Bhagwat to visit US, Canada & UK

New Delhi, Agency: RSS Sarsanghchalak Mohan Bhagwat will visit the US, Canada and the UK from Aug 25 as part of the organisation's overseas outreach during its ongoing centenary year, RSS national publicity head Sunil Ambekar said Tuesday.

In a post on X, Ambekar said Bhagwat would visit the three countries at the invitation of overseas associations and organisations. He did not give details of the cities Bhagwat would visit or the programmes planned in Canada and the UK. The US leg of the tour, however, is set to include his participation in the Universal Oneness celebrations in New York on Aug 29.

Book three-night-stay in Abu Dhabi, get UAE visa free

New Delhi, Agency: Abu Dhabi is offering complimentary UAE entry visas to Indian passport-holders between Aug and Oct 31, subject to certain conditions.Abu Dhabi's department of culture and tourism has come up with a programme that applies to hotel bookings for a three-night stay in the city. It will initially support up to 20,000 visas during the pilot period. Eligible bookings must include a stay of at least three consecutive nights and a return flight from India. The programme is available to those departing from India who book a holiday through participating travel partners.

"India continues to be one of our most important international markets, and we remain committed to working closely with our travel partners to make Abu Dhabi even more accessible for Indian travellers," said Abdulla Yousuf, director of international operations at the department of culture and tourism.

Assessing implications of Mecca defence pact: India

New Delhi, Agency: India continues to examine the implications of the Saudi-Pakistan-Turkiye security pact for its own security as well as regional peace and stability, said ministry of external affairs. The ministry also stressed that India remains fully committed to safeguarding its national interests and will take all necessary measures in this regard. The Mecca joint defence agreement may be designed to address West Asia dynamics but it has also led to concerns in India about possible long-term diplomatic and security challenges that it might pose for the country vis-a-vis its relations with Pakistan.

Eastern Coalfields Limited Holds 51st Annual General Meeting

Sanctoria: Eastern Coalfields Limited (ECL), a subsidiary of Coal India Limited and a leading coal producer in the country, convened its 51st Annual General Meeting (AGM) on 12th August, 2026 at its Headquarters in Sanctoria. The meeting was held in hybrid mode, allowing participation both in person and through virtual platforms, ensuring broad-based engagement.

The AGM was graced by the presence of esteemed dignitaries, including:

- B. Sairam, Chairman, Coal India Limited
- Mukesh Agrawal, Director (Finance), Coal India Limited
- Satish Jha, Chairman-cum-Managing Director, Eastern Coalfields Limited
- Anil Narayan Kinjavadekar, Independent Director, ECL
- Dr. Chetna Shukla, Deputy Director General, Ministry of Coal
- Md. Anzar Alam, Director (Finance), ECL
- Gunjan Kumar Sinha, Director (Human Resources), ECL
- Girish Gopinathan Nair, Director (Technical) Project & Planning, ECL
- Chitranjan Kumar, Director (Technical) Operations, ECL
- B. P. Dubey, Company Secretary, Coal India Limited
- Rambabu Pathak, Company Secretary, Eastern Coalfields Limited

The meeting was also attended by all Heads of Departments at ECL Headquarters and Area General Managers, reflecting a unified and committed leadership presence.

In his address to the shareholders and stakeholders, Shri Satish Jha, CMD, ECL, reflected on the performance of the Company for the financial year 2025–26. He stated:

"F.Y. 2025–26 has been a landmark year for Eastern Coalfields Limited. It stands out not only for our highest-ever coal production but also for the significant qualitative improvements made in our operations, sustainability practices and governance frameworks."

Chairman, CIL acknowledged the performance of the company for F.Y. 2025-26. He further stressed upon the need of increasing the revenue sharing model of mines. Chairman also emphasized upon assuring good quality of coal and sustainable development initiatives.

Key highlights of the AGM included the presentation and adoption of the Audited Financial Statements for the year ended 31st March, 2026, along with the Directors' Report and discussion on the future roadmap of the company.

Kashmiri Pandits' security stepped up after 'threat letter' from Lashkar arm

Srinagar, Agency: J&K police have tightened security in areas of the Valley where Kashmiri Pandits live and allowed some employees to work from home temporarily after Panun Kashmir claimed a purported threat letter from Lashkar affiliate United Liberation Council naming several community members and listing their phone numbers.

"Authorities must investigate the source of the information, the digital trail behind the communication and whether any surveillance, profiling or reconnaissance of the targeted persons has taken place," Agnishekar, convenor of Panun Kashmir said, adding it was important to establish whether the "perpetrators actually possessed the information or were using it as a form of psychological warfare".

IGP Kashmir VK Birdi said the police were probing the threat letter, believed to have been released on social media on Aug 7. Divisional commissioner Anshul Garg said some Pandits had been allowed to work from home, but there was no blanket order. Education officials said the department had not issued any such work-from-home order for all Pandit staff. According to Panun Kashmir's Agnishekar, "the letter represented a serious escalation as it went beyond generic threats and appeared to identify individuals as potential targets while claiming access to information about their families, locations and places of work".

"The publication of names and personal contact details, accompanied by explicit threats to pursue the individuals and their families, is a matter of grave concern. This is not something that can be dismissed as mere rhetoric. It has the unmistakable potential to intimidate the targeted individuals and terrorise the wider Kashmiri Pandit community," Agnishekar said. The threat was particularly disturbing in view of the community's history of being victims of targeted killings, intimidation and forced displacement from Kashmir, Agnishekar pointed out.

RG Kar case: FIR against ex-TMC MLA over 'hurried' cremation of rape victim

New Delhi, Agency: West Bengal officials on Tuesday registered an FIR against former TMC MLA Nirmal Ghosh in connection with the alleged hurried cremation of the junior doctor who was raped and murdered at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital last year.

Additionally, Panihati Municipality councillor Somnath Dey and Sanjeev Mukherjee, a neighbour of the victim's family, were also named in the FIR.

The case was registered on the basis of a complaint by the deceased doctor's father, who alleged that the cremation was carried out in undue haste under the supervision of the three accused. The FIR was registered at Khardah police station and alleged that the victim's cremation was carried out in haste to prevent the possibility of an autopsy and thus conceal evidence. "The CBI is probing the rape and murder case at RG Kar hospital, which falls under the jurisdiction of Kolkata Police.

Terror suspects spotted, search operations launched in J&K's Doda & Poonch

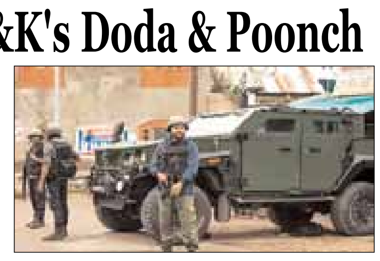

Jammu, Agency: Security forces launched joint cordon-and-search operations in J&K's Doda and Poonch districts on being alerted about the sighting of terror suspects, officials said Tuesday.

Cordon-and-search operations were initiated in Doda's upper reaches after some locals captured a video of four suspected ultras trekking along Ramtund Peak and informed authorities late Monday afternoon. According to preliminary information, the group allegedly comprised three Pakistani and one local terrorist. Additional personnel from the Army, CRPF and police, along with reinforcements, were rushed to the area from Udhampur on Tuesday morning, officials said, adding that no contact was established with the suspects until evening.

Ramtund area lies near the Seoj Dhar belt, situated on the Doda-Udhampur axis, which further connects to Kathua region. Terrorists have traditionally used this route to travel and hide, as the topography features dense vegetation and natural caves, officials said.

The searches in Doda came four days after local police put up posters across J&K, announcing Rs 15 lakh reward for credible information leading to the arrest of self-styled Lashkar-e-Taiba commander Mohammad Lateef Bhat. Separately, security forces launched an intensive combing operation in Poonch's Mendhar sector upon noticing suspicious movement near an under-construction tunnel. "A security guard manning the site spotted the suspects and fired three to four rounds as a precautionary measure, following which a joint team of SOG and CRPF launched a search operation around 6am Tuesday in the nearby forested stretches of Bhatadurian, Sangiot and adjoining areas," an official said.

Army opens its establishments to students through 43 internship projects this year

New Delhi, Agency: Indian Army has opened its establishments to student interns through the second edition of the Indian Army Internship Programme (IAIP) hosted on the AICTE national internship portal and has expanded this programme this year by adding 43 specialised projects. The programme offers a stipend of up to Rs 75,000 that will be disbursed upon the successful completion of the internship and fulfillment of all program requirements. The final stipend amount will be based on the intern's overall attendance during the period. The internships cover AI, cybersecurity, robotics, drones and counter-drone systems, hospital information systems, wargaming and simulation, and strategic communication. Through this internship programme, Indian Army envisions creating a strong ecosystem where education, technology and national service converge to prepare the next generation of innovators.

'Generation gutter' remark on NEET protesters: Agra lawyer files case against BJP MP Kangana Ranaut

New Delhi, Agency: An Agra-based lawyer on Wednesday said he has filed a case against BJP MP and actor Kangana Ranaut over her remarks describing students who protested against the NEET paper leak as "Generation gutter." Rajiv Gandhi Bar Association president and advocate Ramashankar Sharma alleged that Ranaut had "insulted" the students and their parents. He also accused the BJP MP of having a "habit" of making such remarks. "I have filed a suit in the Special Court for MPs/MLAs. The suit concerns Kangana Ranaut referring to students protesting at Jantar Mantar as the 'gutter generation'. She has a habit of making such remarks. She has insulted the country's students and abused their parents... This is a matter concerning the students' future," Sharma told ANI.

The court is scheduled to hear the matter on August 21.

The case comes after Ranaut criticised students protesting over the NEET paper leak, describing some of them as "Generation Gutter" and questioning their behaviour and language.

In a series of posts on Instagram Stories, the actor-politician described videos from the agitation as "puke-inducing" and criticised the protesters for what she called their "crass" language and behaviour. She also questioned the "upbringing" of the young protesters and criticised some young women for trying to emulate independent career women without "earning that freedom".

States ignore Supreme Court, differ on NEET-PG seat norms

New Delhi, Agency: More than a year after Supreme Court ruled that residence or domicile cannot be the basis for postgraduate medical admissions under the state quota, parents of NEET-PG aspirants say admission rules still vary across states, leaving students with unequal opportunities despite having taken the same national entrance examination.

The concerns stem from SC's Jan 29, 2025, judgement in Dr Tanvi Behl vs Shrey Goel case, which held that residence-based preference in postgraduate medical admissions is not permissible. The court said admissions should be based on NEET-PG scores while allowing only limited institutional preference, meaning a student may receive preference for having graduated from a particular medical college - and not because he or she is a resident or domicile of a state. The dispute primarily concerns private medical colleges, where admissions are conducted through state counselling. Several states prescribe domicile or other state-specific eligibility conditions. "The intention of the SC judgement was to replace residence-based preference with institutional preference. Some states appear to have implemented the judgement, while others continue with different eligibility conditions. If these policies are challenged, the courts will decide whether they are consistent with the judgement. The Centre can still review the issue and issue uniform guidelines to states," a health ministry official said.

State counselling brochures for the NEET-PG admission process, reviewed by Media, indeed show differences in eligibility rules. Gujarat requires additional state-specific eligibility conditions for some candidates who completed MBBS outside the state. Maharashtra allows only certain Maharashtra domicile candidates who studied outside the state to apply, while Karnataka permits candidates from other states to participate in counselling, though without Karnataka reservation benefits. Parents say these differences mean students with the same NEET-PG score may not have equal opportunity to compete for PG seats.

In a representation to PMO in July, a parent sought uniform implementation of the SC judgement, a common national counselling portal and biannual NEET-PG examinations, arguing that students continue to face unequal admission opportunities across states.